रांची, बुधवार । 01 जुलाई 2026 । वर्ष-27, अंक-149, पृष्ठ-12 । www.rastriyanaveenmail.com

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 01, संवत 2083 । रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

बोले सीएम

1. सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत है हूल विद्रोह
2. वीर सपूतों का यही संदेश, अन्याय व अत्याचार के सामने कभी नहीं झुकें

मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, कहा

क्रांति की आग कभी बुझती नहीं, सदैव जलती रहती है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह को देश के इतिहास में शोषण और अन्याय के विरुद्ध छेड़े गए सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक बताते हुए कहा कि इसकी प्रेरणा आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का साहस देती है। विधायक कल्पना सोरेन ने भी अमर बलिदानी सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है, जब आदिवासी समाज के वीरों ने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि उस समय देश में शोषित और वंचित लोगों के पास अन्याय से मुक्ति का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे कठिन दौर में अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना शोषण के विरुद्ध हूल क्रांति का बिगुल फूंका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों ने यह संदेश दिया कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों का शोषण होता है, वहीं से संघर्ष और परिवर्तन की नई शुरुआत होती है। इसलिए हूल विद्रोह केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की पहचान वीरों और बलिदानियों की धरती के रूप में रही है। यहां समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने समाज और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार ऐसे सभी महापुरुषों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद करती है और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है। बुझाई भी नहीं जा सकती। क्रांति की चिंगारी सदैव जलती है। हमेशा समाज में जीवित रहती है और समय आने पर अन्याय के खिलाफ लोगों को एकजुट होने की प्रेरणा देती है।

शेष पेज 11 पर

विधायक कल्पना सोरेन ने भी सिदो-कान्हू के संघर्ष और बलिदान को किया नमन

सीएम हेमंत सोरेन ने 'हूल जोहार', 'जय झारखंड' से बलिदानियों को किया नमन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर हूल क्रांति के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगना फूलो-झानो, चुन्नी मांझी और सुबी हांसदा को नमन करते हुए 'हूल जोहार' कहा। मुख्यमंत्री सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि 30 जून 1855 को भोगनाडीह से शुरू हुई हूल क्रांति शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का ऐतिहासिक प्रतीक है। वीर पुरखों ने जल, जंगल, जमीन, भाषा, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन अन्याय के सामने कभी झुके नहीं। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान अपने वीर पुरखों के संघर्ष और बलिदान से है तथा उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के बाद झारखंड नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार वीर पुरखों के सपनों को साकार करने तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के अंत में 'हूल जोहार', 'जोहार झारखंड' और 'जय झारखंड' का उद्घोष किया।

हूल विद्रोह के महानायकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हूल विद्रोह के महानायकों का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सामाजिक न्याय, समानता तथा मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने में योगदान दें।

दृष्टिपात

गिरिडीह में आवारा कुत्ते के हमले में बच्चा घायल

धनबाद। गिरिडीह के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जमजोरी गांव में आवारा कुत्ते के हमले से एक चार वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे के चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

चतरा में करंट लगने से महिला की मौत

चतरा। चतरा सदर थाना क्षेत्र के ऊंटा गांव में मंगलवार की सुबह करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान मीणा देवी (23 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, मीणा देवी मंगलवार सुबह गांव के पास एक अमरूद के पेड़ के निकट दतवन तोड़ने गई थीं। इसी दौरान वह पोल से नीचे लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गईं।

हत्या व डायन प्रताड़ना के दोषी को उम्रकैद

दुमका। डायन प्रताड़ना और हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वितीय योगेश कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को राजेश किस्कू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने राजेश पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना की राशि भुगतान नहीं करने पर 6 माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इससे संबंधित मामला टोंगरा थाना में दर्ज किया गया था। जुर्माना की राशि पीड़ित को भुगतान करना होगा।

झारखंड में एसआईआर का गणना चरण शुरू

एसआईआर पूरी तरह सहभागी, पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया : के रवि कुमार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड में गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत मंगलवार से गणना चरण (एन्यूमरेशन फेज) की शुरुआत हो गई। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और संग्रहण करेंगे।

रांची स्थित निर्वाचन सदन में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण चरण 'इन्यूमरेशन फेज' के शुभारंभ की जानकारी देते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह सहभागी, पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया है। इसके प्रत्येक चरण का अंकेक्षण किया जाता है तथा किसी भी स्तर पर आपत्ति या त्रुटि की स्थिति में अपील का भी प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि राज्यभर में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) की बैठकें आयोजित की गई हैं।

शेष पेज 11 पर

प्रारूप प्रकाशन में शामिल नहीं होंगे 5 श्रेणियों के वोटर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि पांच श्रेणियों के मतदाताओं अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थायी रूप से स्थानांतरित (परमानेंटली शिफ्टेड), मृत (डेथ), डुप्लिकेट तथा गैर-भारतीय नागरिकों के नाम मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल नहीं किए जाएंगे। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को मताधिकार मिले और मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध एवं त्रुटिरहित हो। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सहभागी है।

हाईकोर्ट का जेएसएससी को निर्देश, प्रतिवादियों को सौंपे याचिका की कॉपी

- स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 का मामला

रांची। स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 नियुक्ति से जुड़े मीना कुमारी के मामले में राज्य सरकार और जेएसएससी की अपील (एलपीए) पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार एवं जेएसएससी को प्रतिवादियों को याचिका की कॉपी उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई निर्धारित की। कोर्ट ने राज्य सरकार एवं जेएसएससी (झारखंड कर्मचारी चयन आयोग) को निर्देश दिया कि वे अपने संशोधन पिटीशन में अगर कोई त्रुटि को दूर करना चाहते हैं, तो उसे 7 जुलाई 2026 तक दूर कर ले। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता शेखर गुप्ता, अधिवक्ता अमृतांश वत्स, अधिवक्ता राजेश कुमार और

शेष पेज 11 पर

गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार की जमीन विवाद में रामगढ़ के मांडू में हुई हत्या

पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ, घटना का वीडियो वायरल

नवीन मेल संवाददाता

मृतक

रामगढ़। गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में मंगलवार को हत्या कर दी गई। मांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके पैतृक गांव रबोध में ही यह वारदात हुई। मंगलवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर उनका झगड़ा गांव के ही कुछ लोगों के साथ हुआ। इस दौरान मारपीट करने आए लगभग एक दर्जन महिला और पुरुष सभी ने मिलकर उन पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उनके सिर पर ईंट-डंडों से वार किया गया। इस घटना में सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके परिजनों और गांव वालों ने आनन-फानन में बालेश्वर पटेल को होप हॉस्पिटल में भर्ती कराया। लेकिन, चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बीच, घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में आधा दर्जन से अधिक लोग बालेश्वर पटेल पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कुछ लोग ईंट और डंडों से उनकी पिटाई करते नजर आते हैं, जबकि घटनास्थल पर कुछ महिलाओं की मौजूदगी भी दिखाई देती है।

शेष पेज 11 पर

पत्नी ने दर्ज कराई दस के खिलाफ प्राथमिकी

गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के मामले में उनकी पत्नी रीता कुमारी ने मांडू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने गांव के 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। रबोध गांव निवासी रीता कुमारी ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि उनके पति मंगलवार को मांडू थाना क्षेत्र के हुवाग स्थित सियारी टांड़ में अपनी जमीन पर लगे बोरिंग और सबमर्सिबल पंप देखने गए थे। इसी दौरान गांव के रामू साव उर्फ ज्ञानी साव, विष्णु कुमार, संतोष साव उर्फ पप्पम, पूजा देवी, रूबी देवी, शकुंतला देवी, विनय कुमार और डोली कुमारी सहित अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

शेष पेज 11 पर

संवाद | **झारखंड की औद्योगिक संभावनाओं और उद्यमिता पर बैठक**

राष्ट्र निर्माण में व्यापारी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका : गोयल

- कहा, व्यवसाय से जुड़े लोगों का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं हो
- व्यापारी वर्ग संगठित होकर राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) की बैठक मंगलवार को रांची स्थित चैंबर भवन में सनसिटी प्रोजेक्ट्स के चेयरमैन एवं ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के संस्थापक लक्ष्मी नारायण गोयल के साथ हुई। बैठक में प्रसिद्ध उद्यमी एसके जिंदल, विनीत कुमार गुप्ता, लोहिया, संजीव गोयल एवं रमेश कनोडिया सहित चैंबर के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उद्योग, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा झारखंड के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विमर्श हुआ। बैठक के दौरान लक्ष्मी नारायण गोयल ने कहा कि किसी भी देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा माध्यम उद्यमी और व्यापारी होते हैं। देश की अर्थव्यवस्था, कर संग्रह और राष्ट्र निर्माण में व्यापारी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज को समाज और शासन दोनों स्तरों पर उचित सम्मान मिलना चाहिए तथा व्यवसाय से जुड़े लोगों के साथ अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने व्यापारी वर्ग से संगठित होकर अपने हितों एवं राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सनसिटी प्रोजेक्ट्स के चेयरमैन एवं ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के संस्थापक लक्ष्मी नारायण गोयल ने

शेष पेज 11 पर

क्रिटिकल मिनरल्स में झारखंड निभा सकता है अहम भूमिका : आदित्य

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि दावोस यात्रा के दौरान झारखंड को लेकर वैश्विक स्तर पर सकारात्मक धारणा बनी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयासों से झारखंड में निवेश और औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं बनी हैं तथा क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में झारखंड महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शेष पेज 11 पर

झारखंड में चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई इलाकों में गरज के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिक विशेष सावधानी बरतें।

मौसम विभाग के अनुसार, 02 जुलाई और 06 जुलाई 2026 को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

शेष पेज 11 पर

ऑरेंज अलर्ट जारी, लोगों को सतर्क रहने की सलाह

तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा : मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई त्वरित कार्रवाई

तमिलनाडु में फंसे श्रमिक झारखंड के लिए रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखंड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखंड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखंड के लिए रवाना हो चुके हैं। मालूम को कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखंड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव व श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे तथा अस्पताल प्रशासन के साथ चौबीसों घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया। इस औद्योगिक हादसे में झारखंड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखंड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखंड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।

मृतका का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से लाया जा रहा है रांची

इस हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक प्रीति देवी का उपचार के दौरान चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में निधन हो गया था। झारखंड सरकार की पहल पर मृतका के परिजनों के तमिलनाडु आगमन, शव की पहचान, पोस्टमार्टम एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कराया गया। तमिलनाडु सरकार के सहयोग से मृतका का पार्थिव शरीर मंगलवार देर रात हवाई मार्ग से बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश

श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने संभाला मोर्चा

झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया।

उचित मुआवजा दिलाने की कार्रवाई जारी

झारखंड सरकार पीड़ित परिवारों के साथ इस दु:ख की घड़ी में मजबूती से खड़ी है। राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा नियोक्ता और संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है, ताकि मृतका के परिजनों को नियमानुसार देय उचित मुआवजा और अन्य सभी वैधानिक लाभ जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जा सकें।

हूल दिवस...

हूल दिवस पर **सिदो-कान्हू** उद्यान परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदाताओं के बीच प्रशस्ति-पत्र वितरण करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

हूल दिवस पर सन्नी टोप्पो ने वीर शहीदों को किया नमन, कहा

संथाल विद्रोह स्वाभिमान का अमर प्रतीक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने 30 जून 1855 से शुरू हुए ऐतिहासिक संथाल विद्रोह (हूल) के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि संथाल विद्रोह भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास का स्वर्णिम और अटूट अध्याय है, जिसने ब्रिटिश शासन और शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था की नींव हिलाकर रख दी थी।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि पारंपरिक हथियार तीर-धनुष से लैस आदिवासी वीरों ने अंग्रेजों की आधुनिक सेना और बंदूकों का अदम्य साहस के साथ मुकाबला किया। उनका संघर्ष केवल अंग्रेजी शासन के खिलाफ नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए भी था। उन्होंने कहा कि "करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो" का संदेश आज भी समाज को अपने अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। संथाल विद्रोह अन्याय, शोषण और दमन के खिलाफ स्वाभिमान की ऐसी हुंकार थी, जो आज भी हर पीढ़ी को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस देती है।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी जनजातीय नायकों का बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी 2 से 6 तक झारखंड दौरे पर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू आगामी 2 जुलाई से राज्य के पांच दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर आ रहे हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने उनके इस विस्तृत भ्रमण कार्यक्रम की आधिकारिक जानकारी साझा की है।

अपने इस दौरे के दौरान के. राजू रांची, लातेहार, पलामू, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों में कई महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें करेंगे और ग्रामीण इलाकों का दौरा कर जमीनी हकीकत टटोलेंगे। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को हैदराबाद से इंडिगो की फ्लाइट द्वारा राँची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आगमन होगा। इसके बाद कि दोपहर 11:45 से 1:30 बजेः कांके प्रखंड की चुट्टू और नेवरी पंचायतों में जीपीसीसी सदस्यों के साथ लगातार दो बैठकें होंगी। दोपहर 03:00 बजे मदरा मुंडा चौक पर कांके प्रखंड कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक होगी। इसके बाद शाम 04:30 बजे से 07:00 बजे अनगड़ा प्रखंड के बनादाग गेतलसूद पंचायत और सिरका पंचायत का दौरा व जीपीसीसी बैठकें होगी। वहीं रात 07:00 बजेअनगड़ा के डाक बंगला में प्रखंड कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक के बाद रांची के राजकीय अतिथिशाला में रात्रि विश्राम करेंगे। 3 जुलाई लातेहार जिला दौरा होगा। सुबह 09:00 बजे रांची से लातेहार के लिए रवानगी होगी। सुबह 10:30 बजे कि चंदवा पूर्वी पंचायत में जीपीसीसी सदस्यों के साथ बैठक होगी। इसके लिए दोपहर 01:00 बजे मनिका प्रखंड कांग्रेस कमेटी के साथ सांगठनिक बैठक होगी।

सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी गयी श्रद्धांजलि

हूल क्रांति अन्याय के खिलाफ संघर्ष का अमर प्रतीक : डॉ सूरज मंडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व जैक उपाध्यक्ष एवं झारखंड मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सूरज मंडल ने राजधानी रांची स्थित सिद्धू-कान्हू पार्क में अमर क्रांतिकारी सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर डॉ मंडल ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह से शुरू हुई संथाल हूल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। यह केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और दमन के खिलाफ संघर्ष का ऐसा संदेश है, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति सिखाती है कि अन्याय के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए और लक्ष्य की प्राप्ति तक संघर्ष जारी रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उस समय अंग्रेजी शासन, जमींदारों और महाजनों के अत्याचार से संथाल समाज अत्यंत पीड़ित था। अत्यधिक लगान और शोषण के विरुद्ध शुरू हुआ यह आंदोलन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना। डॉ. मंडल ने कहा कि आज भी सामाजिक न्याय, विकास, एकता और समृद्धि की लड़ाई पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है और हर व्यक्ति को समाज के हित में निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लेना चाहिए। झारखंड मजदूर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने कहा कि हूल क्रांति के 171 वर्ष बीत जाने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी स्मृतियां आज भी जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू और अन्य वीर शहीदों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता रहेगा।

मरीजों की जांच, इलाज और परामर्श समय पर मिले : निदेशक

रांची। रिम्स में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अस्पताल प्रशासन ने मंगलवार को मेडिसिन विभाग का औचक निरीक्षण किया। रिम्स निदेशक प्रो. डॉ. डीके सिन्हा और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हिरेन्द्र बिरुआ ने अधिकारियों के साथ विभाग की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने विभाग में मरीजों के इलाज की प्रक्रिया, चिकित्सकीय सेवाओं, उपलब्ध संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने विभाग की उपस्थिति पंजी की जांच की। जांच के दौरान विभागाध्यक्ष अवकाश पर मिले। निदेशक ने मौजूद चिकित्सकों और अधिकारियों से विभाग की स्थिति और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इस दौरान मरीजों की बढ़ती संख्या, इलाज के दौरान आने वाली समस्याओं, संसाधनों की उपलब्धता और मरीजों को बेहतर सुविधा देने के उपायों पर मंथन किया गया।

भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया श्री धोली सती दादी का पावन उत्सव

- **मंगल पाठ, भजन संध्या और सामूहिक आरती में श्रद्धालु हुए भावविभोर**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री धोली सती दादी महिला समिति के तत्वावधान में पिस्का मोड़ स्थित काजू बागान के वेस्टइंड रेजिडेंसी में गिरधारी लाल सर्राफ के आवास पर श्री धोली सती दादी का पावन उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे आयोजन के दौरान दादी के जयकारों, मंगल पाठ और भक्ति रस से ओत-प्रोत भजनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इसके बाद आयोजित मंगल पाठ एवं भजन संध्या में भजन गायक मनीष सोनी और मिनी कुमारी ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। "दादी तेरे दरबार में खुशियों की बहार है", "आओ दादी रानी, मेरे घर आओ", "जय-जय धोली दादी" और "मेरी दादी का दरबार बड़ा निराला है" जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर झूमते रहे।

हूल दिवस पर भाजपा ने किया वीर शहीदों को नमन, बाबूलाल मरांडी बोले

अस्मिता की रक्षा का प्रतीक है हूल आंदोलन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से राज्यभर में कार्यक्रम आयोजित कर संथाल हूल के महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 1855 में संथाल परगना की वीरभूमि से ब्रिटिश शासन की दमनकारी और शोषणकारी नीतियों के खिलाफ हूल आंदोलन का ऐतिहासिक बिगुल फूंका गया था।

उन्होंने कहा कि सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चांद मुर्मू, भैरव मुर्मू तथा वीरांगनाओं फूलो मुर्मू और झानो मुर्मू के नेतृत्व में संथाल समाज ने जल, जंगल, जमीन और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए अद्भुत संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हूल आंदोलन स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए जनजागरण का प्रतीक बना। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 1855 के हूल उलगुलान ने अंग्रेजी शासन को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू और अन्य वीरों का संघर्ष आज भी अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है।

माल्यार्पण हूल दिवस पर प्रदेश कांग्रेस ने सिदो-कान्हू को किया नमन

देश की पहली संगठित जनक्रांति थी संथाल हूल : केशव

- **सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा**
- **हूल दिवस केवल स्मरण का नहीं, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प दिवस है: कांग्रेस**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सर्वप्रथम कांग्रेस भवन, रांची में पूर्वा 11 बजे सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, इसके उपरांत मोरहाबादी स्थित सिद्धू-कान्हू पार्क में अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 30 जून 1855 भारतीय इतिहास का वह गौरवशाली दिन है, जब संथाल परगना के भगनाडीह से सिदो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण और जमींदारी अत्याचार के विरुद्ध ष्संथाल हूलष् का शंखनाद किया। यह केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के लिए संगठित जनआंदोलन की पहली बड़ी क्रांति थी, जिसने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार इस महान आंदोलन में सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो सहित हजारों आदिवासी वीरों ने मातृभूमि और अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। संथाल हूल में दसियों हजार आदिवासी अंग्रेजी शासन के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े हुए और हजारों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी।

झारखंड क्रांतिकारियों की धरती रही

झारखंड की धरती सदैव वीरों और क्रांतिकारियों की धरती रही है। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिसमें मुख्य रूप से लाल किशोरनाथ शाहदेव, कुमार गौरव, बिनय सिंन्हा,कुमार राजा,राकेश किरण महतो, राजन वर्मा ,केदार पासवान, निरंजन पासवान ,विरेन्द्र विक्रम ने अमर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

दृष्टिपात

एचईसी में मजदूरों की समस्याओं पर वार्ता तेज,कल आमसभा

रांची। एचईसी के स्थाई एवं सप्लाई ठेका मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर यूनियन और प्रबंधन के बीच वार्ता की गई। बैठक में मजदूरों के लंबित वेतन, प्लांट कमेटी एवं ग्रीवांस कमेटी के गठन, पीएफ लेजर उपलब्ध कराने, कम वेतन, प्रमोशन, ग्रेडेशन तथा सप्लाई ठेका मजदूरों के लिए केंद्रीय वेतनमान लागू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यूनियन नेताओं ने बताया कि मजदूरों का लंबित भुगतान 4 से 7 जुलाई के बीच कराने का आश्वासन मिला है, जबकि तकनीकी गड़बड़ी के कारण रुका पीएफ लेजर भी जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। यूनियन ने सभी स्थायी और सप्लाई ठेका मजदूरों से 2 जुलाई को मुख्यालय के समीप आयोजित आमसभा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। सभा में प्रबंधन के साथ चल रही वार्ता की प्रगति से अवगत कराया जाएगा। बैठक में सीटू से संबद्ध हटिया मजदूर यूनियन के कार्यवाहक महामंत्री दिनेश बैठा, विमल मसली और चिराग वारला मौजूद थे।

भूअर्जन कार्यालय के समक्ष एयरपोर्ट विस्थापितों का प्रदर्शन सात को

रांची। विस्थापित मोर्चा की ओर से हूल दिवस पर खोखमा टोली, हिनू के जतरा स्थल पर संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में खोखमा टोली के साथ हुंडरू, पीपरटोली, हेथु, गड़हा टोली के ग्रामीणों ने सभा की। सभा की शुरुआत में संताल हूल के वीर शहीदों सिदो-कान्हू, चांद भैरव और फूलो-झानो के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस क्रम सभा में कुछ संकल्प लिया गया। इसमें मौजा हुंडरू, हेथू और हिनू में बिना अधिग्रहण रैयतों की जमीन पर सेना व ग्रामीणों के बीच जमीन विवाद के निपटारे के लिए लोकतांत्रिक व कानूनी लड़ाई तेज करने का संकल्प लिया गया। इस क्रम में सात जुलाई 2026 को रांची भू अर्जन कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। सभा के दौरान ही खोखमा टोली, हिनू के एयरपोर्ट रोड के किनारे ग्रामीणों की चाय दुकानों को जबरन हटाए जाने की सूचना मिली। मौके पर उपस्थित सैकड़ों ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। सूचना पर स्थानीय सेना छावनी के सीओ अपनी टीम के साथ पहुंचे। ग्रामीणों के उग्र विरोध को देखते हुए सीओ ने ग्रामीणों के ठेला व चाय दुकान नहीं हटाने की मांग मान ली और जमीन विवाद पर ग्रामीणों से आगे वार्ता करने पर सहमति जताई। इसमें पूर्व पार्षद अजीत उरांव, पुष्पा तिर्की, सुरेश गोप, प्रकाश टोप्पो, सुनील निकोलस एक्का, मुखिया विनोद गाड़ी, बिरसा उरांव, कमल किशोर झा, संतोष गोप, सन्नी साहू, कुलदीप साहू, संदीप तिर्की, सोम कुमार, चंदू कच्छप आदि शामिल हुए।

बर्खास्त सीसीएल कर्मी को राहत, सेवा समाप्ति और अपीलीय आदेश रद्द

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सीसीएल के कर्मचारी अभय कुमार को बड़ी राहत देते हुए उनकी सेवा समाप्ति और अपीलीय प्राधिकार के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने कहा कि विभागीय जांच में एक भी मौखिक गवाह का परीक्षण नहीं किया गया और बिना साक्ष्य के कर्मचारी को दोषी ठहराया गया, जो कानून सम्मत नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि विभागीय जांच के दौरान कुल 18 बैठकें हुईं, लेकिन प्रबंधन की ओर से एक भी गवाह पेश नहीं किया गया और न ही किसी दस्तावेज को विधिसम्मत तरीके से साबित किया गया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि विभागीय जांच एक अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया है और आरोप साबित करने के लिए मौखिक साक्ष्य आवश्यक है। केवल दस्तावेजों के आधार पर, बिना उन्हें प्रमाणित किए, किसी कर्मचारी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने बर्खास्तगी आदेश दिनांक 16/17 दिसंबर 2021 तथा अपीलीय आदेश 3 जून 2022 को रद्द करते हुए सीसीएल को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को सभी बकाया वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी सहित अन्य सेवानिवृत्ति लाभ 12 सप्ताह के भीतर भुगतान किए जाएं।

छेड़खानी विवाद में हुई हत्या में दोषी अतुल मुंडा को उम्रकैद

रांची। छेड़खानी को लेकर हुए विवाद के बाद लालपुर की नगड़ा टोली निवासी महेश सुरीन की हत्या के चार साल पुराने मामले में दोषी करार अभियुक्त अतुल मुंडा को अपर न्यायायुक्त ओंकार नाथ चौधरी की अदालत ने मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला लालपुर थाना में कांड संख्या 25/2022 से जुड़ा है। घटना की शुरुआत 14 फरवरी 2022 की शाम करीब सात बजे एक युवती से छेड़खानी को लेकर हुए विवाद से हुई थी। आरोप है कि इस बात को लेकर अतुल मुंडा ने मारपीट की थी। इसके बाद 15 फरवरी 2022 की शाम करीब 7.30 बजे महेश सुरीन, अंकित मुंडा और नवीन मुंडा आपसी बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के उद्देश्य से अतुल मुंडा के घर पहुंचा था।
प्राथमिकी के मुताबिक, उस समय अतुल मुंडा अपने घर की दूसरी मंजिल पर सो रहा था। तीनों उसे छत से नीचे लेकर आ रहे थे, तभी अतुल ने कथित रूप से हथौड़े से महेश सुरीन के सिर पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महेश को तत्काल रिम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पल्स पोलियो अभियान में रांची में लक्ष्य से अधिक बच्चों को पिलाई गई दवा

रांची। जिले में 28 जून से 30 जून तक चले पल्स पोलियो अभियान में स्वास्थ्य विभाग ने लक्ष्य से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई है। मंगलवार को तीसरे दिन जारी अंतिम रिपोर्ट के अनुसार जिले ने 102.01 प्रतिशत कवरेज हासिल किया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पूरे जिले में 5,05,524 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके मुकाबले 5,15,694 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। इस तरह जिला तय लक्ष्य से आगे निकल गया। अभियान के दौरान रांची के शहरी क्षेत्र में सबसे बेहतर प्रदर्शन रहा। यहां 2,07,381 बच्चों का लक्ष्य था, जबकि 2,21,104 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। यह 106.62 प्रतिशत कवरेज है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में 2,98,143 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य था। इसके मुकाबले 2,94,590 बच्चों तक टीम पहुंची। ग्रामीण क्षेत्र में कुल 98.81 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया। प्रखंड में सोनाहातू ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। यहां 104.63 प्रतिशत कवरेज दर्ज हुआ।

सिदो-कान्हू का संघर्ष देता है प्रेरणा : आदित्य साहू

रांची। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला कमेटी की ओर से मंगलवार को हूल क्रांति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांके रोड के हातमा इलाके में सिदो-कान्हू पार्क में हूल क्रांति के महानायक अमर शहीद सिदो–कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने कहा कि 1855 की हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम का वह ऐतिहासिक अध्याय है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानों ने जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान कर राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल स्थापित की। उनका संघर्ष आज भी हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

दृष्टिपात

पहचान, अस्तित्व और धार्मिक अधिकारों के लिए जरूरी है सरना धर्म कोड : संगठन

रांची। राष्ट्रीय आदिवासी समाज सरना धर्म रक्षा अभियान के तत्वावधान में रातू स्थित मेरी लक्ष्मी बैंक्वेट हॉल, मखमंदरो में विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से सरना सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और केंद्र सरकार से इसे जल्द लागू करने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरना प्रार्थना के साथ हुआ। इस दौरान हूल दिवस के वीर शहीद सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो के साथ शिक्षाविद डॉ. करमा उरांव, सर्ना रत्न वीरेंद्र भगत एवं एतो उरांव के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। टीएसी सदस्य नारायण उरांव ने कहा कि लाखों सरना अनुयायियों के बावजूद अब तक अलग सरना धर्म कोड नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज लंबे समय से अपनी धार्मिक पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरना धर्म कोड देशभर के आदिवासियों की पहचान, अस्तित्व, हिस्सेदारी और एकता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि इस मुद्दे पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आदिवासी समाज लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन और तेज करेगा। उड़ीसा से आए धर्म अगुवा बालकृष्ण एक्का ने कहा कि सरना धर्म कोड आदिवासी समाज की धार्मिक आस्था और अस्मिता का प्रश्न है। इसके लिए आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। सम्मेलन में असम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे और सरना धर्म कोड की मांग का समर्थन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुकरा उरांव ने की, जबकि संचालन सोमनाथ उरांव ने किया। सम्मेलन में विकास उरांव, सुनील कच्छप, रजनी उरांव, सुमन तिर्की, मिताली उरांव, बिनसरिया उरांव, सुकरा तिर्की, लक्ष्मी भगत, सुखदेव उरांव सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति पर रामबाबू व नुनूकुंवर को दी गई विदाई

रांची। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड प्रभाग-5 के सहायक वेधक सह यांत्रिक रामबाबू साह एवं नुनू कुंवर को मंगलवार को सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। विदाई समारोह हरमू स्थित प्रभागीय कार्यालय में कार्यपालक अभियंता एससी प्रसाद की अध्यक्षता आयोजित की गई। जिसमें सहायक कार्यपालक अभियंता प्रभाकर साहू, कार्यालय अधीक्षक राजेश कुमार, सुधीर कुमार ओझा, वेधक प्रभारी हसन इमाम अंसारी, विवेक कुमार, एनकेपी चौरसिया, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार, जितेश कुमार, सहित दर्जनों कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने दोनों कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन सदानंद सिंह यादव ने किया।

रांची पुलिस ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी विदाई

रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मंगलवार को नवीन पुलिस केंद्र में सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), पुलिस अधीक्षक (यातायात), कई पुलिस उपाधीक्षक एवं थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ पुलिस विभाग की सेवा की है। उनके द्वारा दी गई दीर्घकालीन एवं उत्कृष्ट सेवाएं विभाग के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगी। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए उनके नए जीवन चरण के लिए शुभकामनाएं दीं।

आज कल

डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

ईवीएम की सुरक्षा और रखरखाव अत्यंत महत्वपूर्ण है : मंजूनाथ भजंत्री

● निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को नगड़ी स्थित ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव एवं निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन एवं संबंधित अधिकारियों के साथ वेयरहाउस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा, रखरखाव और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने तथा आयोग के मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एफटीएस युवा रांची की 'नगर यात्रा'

नवीन मेल संवाददाता

● ग्रामीण बच्चों ने शहर का किया अनुभव, चेहरों पर बिखरी मुस्कान

● 16 एकल विद्यालयों के बच्चों ने स्टारकेड में खेल, मनोरंजन और सीख से भरे दिन का लिया आनंद

रांची। एफटीएस युवा रांची की ओर से 'नगर यात्रा 4.0' का सफल आयोजन किया गया। यह पहल सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शहर के अनुभवों से जोड़ने और उनके जीवन में नई खुशियां एवं यादगार पल जोड़ने के उद्देश्य से की गई।

नगर यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण बच्चों के लिए नए अनुभवों, आत्मविश्वास और उत्साह का अवसर बनी। इस पहल के माध्यम से एकल विद्यालयों से जुड़े बच्चों को शहर का भ्रमण करने, नए वातावरण को समझने और जीवनभर याद रहने वाली सुखद स्मृतियां संजोने का मौका मिला। कार्यक्रम में शामिल बच्चे एफटीएस से जुड़े एकल विद्यालयों के विद्यार्थी थे। एफटीएस देशभर के दूरदराज और वंचित गांवों में शिक्षा, संस्कार एवं मूल्य आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता है।

इस वर्ष नगर यात्रा का आयोजन रांची स्थित स्टारकेड में किया गया, जिसमें 16 एकल विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने खेल-कूद, मनोरंजन, हंसी-मजाक और स्वादिष्ट भोजन का भरपूर आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफटीएस युवा रांची के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अध्यक्ष अभिनव मित्तल, सचिव कंचन कौर सहित सक्रिय सदस्य विशेष केडिया, सृष्टि अग्रवाल, शुभम शोमानी, अभिजीत, सौरव बोस, पूजा बागड़िया समेत कई स्वयंसेवकों ने आयोजन की जिम्मेदारी संभाली।

एफटीएस युवा रांची के सदस्यों ने कहा कि 'नगर यात्रा' जैसी पहल का उद्देश्य बच्चों को नए अवसरों से जोड़ना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और उनके विकास में सकारात्मक योगदान देना है। संगठन भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के जीवन में खुशियां और प्रेरणा के नए अवसर उपलब्ध कराता रहेगा।

रांची के समग्र विकास को लेकर महापौर व उपमहापौर ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से दिल्ली में की मुलाकात

राजधानी रांची के विकास के लिए रोशनी खलखो ने केंद्र सरकार से मांगा सहयोग

● महापौर ने कहा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण होगा

नवीन मेल संवाददाता

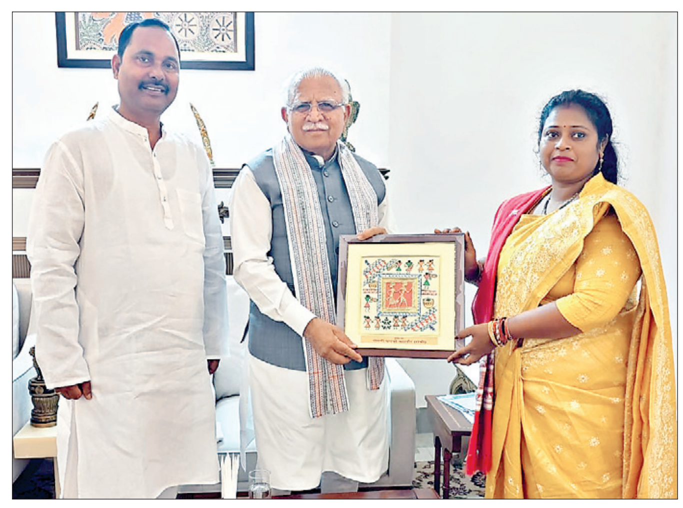

रांची। रांची की महापौर रोशनी खलखो और उपमहापौर नीरज कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रांची के समग्र एवं सुनियोजित शहरी विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यावरण-अनुकूल आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया।

मुलाकात के दौरान महापौर रोशनी खलखो ने रांची की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर में बेहतर सड़क नेटवर्क, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता सेवाओं के विस्तार, हरित क्षेत्रों के विकास तथा अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण होगा।

महापौर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से रांची को एक स्वच्छ, आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने शहर के सतत विकास के लिए विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं को गति देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रांची के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और शहर के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शहरी विकास से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाएगा।

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 210वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भक्ति भाव से आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर 'राम सिया राम, सिया राम जय-जय राम' के संकीर्तन और 'जय बजरंग बली' के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने सदस्य अरुण खुटेटा से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कराकर कराया। अरुण खुटेटा ने बालाजी महाराज को केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग अर्पित किया। यजमान ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत एवं ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की मधुर धुनों पर श्रीगणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा का पाठ प्रारंभ किया। इसके बाद श्रद्धालुओं की सहभागिता से संगीतमय श्री सुंदरकांड का पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ, महाआरती और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद सेवा अर्पित की। कार्यक्रम में मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कृष्णा, अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में आयोजित होने वाले 207वें श्री श्याम भंडारे की सेवा मयंक अग्रवाल द्वारा निवेदित की जाएगी।

सीसीएल में 110 सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

आपकी हर सेवाएं सदैव प्रेरणादायी रहेंगी : हर्षनाथ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय में मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर जून 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। मुख्यालय से छह कर्मियों सहित सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 110 सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने सेवानिवृत्त कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में लगन, निष्ठा और कार्यकुशलता से कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कर्मियों का अनुभव, अनुशासन और समर्पण संगठन की कार्यसंस्कृति को समृद्ध करने में हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, भावनाएं और यादें साझा कीं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी और परिजन भावुक हो उठे। मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वालों में अतनु चौधरी (मुख्य प्रबंधक, मानव संसाधन), विनोद एमेल सुरीन (कार्यालय अधीक्षक), बिरसा उरांव (सुरक्षा उप-निरीक्षक), पंकज कुमार (कार्यालय अधीक्षक-ए1), लैजरस खलखो (कार्यालय अधीक्षक, सीएमपीएफ विभाग) तथा अनिता निर्मला तिर्की (मैट्रन, गांधीनगर अस्पताल) शामिल हैं। समारोह में विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना की गई।

सदर अस्पताल में पहली बार दूरबीन विधि से 1.45 किलो की तिल्ली का सफल ऑपरेशन

नवीन मेल संवाददाता

● लंबे समय से एनीमिया और पेट दर्द से पीड़ित महिला को मिली राहत : डॉ अजीत

रांची। सदर अस्पताल, रांची ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार दूरबीन (लैप्रोस्कोपिक) विधि से 1.45 किलोग्राम वजनी तिल्ली (स्प्लीन) का सफल ऑपरेशन किया है। सफल सर्जरी के बाद मरीज को स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बुंडू प्रखंड के आनेडीह गांव निवासी सुलोचना देवी लंबे समय से पेट दर्द, पेट में भारीपन और अत्यधिक कमजोरी से परेशान थीं। उनके पति मृत्युंजय महतो एक छोटे किसान हैं। मरीज ने कई अस्पतालों में इलाज कराया, जहां उन्हें खून की बीमारी और कैंसर होने की आशंका भी जताई गई थी। सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग में जांच के दौरान पता चला कि मरीज का हीमोग्लोबिन लगातार करीब 5 ग्राम प्रति डेसीलीटर बना हुआ था। खून चढ़ाने के बाद भी कुछ ही दिनों में हीमोग्लोबिन का स्तर फिर कम हो जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि उनकी तिल्ली असामान्य रूप से बढ़ चुकी थी। रिम्स में कराई गई एमआरआई जांच में तिल्ली का आकार 26×16 सेंटीमीटर पाया गया। ऑन्कोलॉजी विभाग के चिकित्सकों की सलाह पर तिल्ली निकालने और उसकी बायोप्सी करने का निर्णय लिया गया।

एनयूएसआरएल रांची में चार नए पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू, 30 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन

रांची। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चार नए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजी डिप्लोमा) कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों, कर्मचारियों, कार्यरत पेशेवरों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को उभरते विधिक क्षेत्रों में व्यावहारिक, समकालीन और विशेषज्ञ कानूनी ज्ञान उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय ने झारखंड की खनिज संपदा और उससे जुड़े बढ़ते कानूनी एवं नीतिगत महत्व को ध्यान में रखते हुए माइंस एंड मिनरल्स लॉ में विशेषीकृत पीजी डिप्लोमा शुरू किया है। इसके अलावा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण तथा कॉर्पोरेट लॉ में भी विशेषीकृत पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों को आधुनिक कानूनी चुनौतियों, नीति निर्माण की जरूरतों और उद्योग तथा समाज की बदलती मांगों के अनुरूप तैयार किया गया है। इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री प्राप्त अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम का पाठ्यक्रम शुल्क 35,000 रुपए तथा आवेदन शुल्क 500 रुपए निर्धारित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2026 है। मेरिट सूची 2 अगस्त 2026 को जारी की जाएगी, जबकि कक्षाओं का शुभारंभ 10 अगस्त 2026 से होगा।

तिरुपति बालाजी मंदिर में जगद्गुरु अनिरुद्धाचार्य का प्रवचन, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

रांची। रांची नगर स्थित दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में श्रीधाम वृंदावन से पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्यजी महाराज ने भक्तों को अपने प्रवचन से आध्यात्मिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार के मोह-माया से ऊपर उठकर भगवान के प्रति सच्ची भक्ति और समर्पण का भाव रखना चाहिए, तभी जीवन सार्थक और निर्मल बन सकता है। प्रवचन के दौरान महाराजश्री ने कहा कि मनुष्य का शरीर नश्वर है और संसार क्षणभंगुर है। यदि मनुष्य अपनी मोह, ममता और आसक्ति भगवान तथा उनके नाम में लगाए, तो वह ईश्वर की कृपा का पात्र बन जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान अत्यंत सरल और करुणामय हैं तथा जो श्रद्धा और प्रेम से उन्हें पुकारता है, वे उसकी पुकार अवश्य सुनते हैं। उन्होंने कहा कि संसार में सब कुछ नश्वर है, जबकि भगवान ही शाश्वत, सर्वव्यापी और मनुष्य के सच्चे साथी हैं। प्रवचन के पश्चात प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय श्री सुंदरकांड का पाठ किया गया। पूर्णाहुति के बाद उपस्थित भक्तों के बीच सूजी के हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के अर्चक सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य एवं श्री नारायण दास के अलावा श्रीधाम वृंदावन से दामोदर दास, भागीरथ, गणेश और वेणुगोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रामअवतार नारसरिया, अनूप अग्रवाल, रंजन सिंह सहित मंदिर समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समारोह | सीसीएल का 'स्वच्छता पखवाड़ा संपन्न, सफाई मित्रों का हुआ सम्मान

पहाड़ी मंदिर परिसर में चला विशेष सफाई अभियान

● नुक्कड़ नाटक और विभिन्न गतिविधियों से दिया स्वच्छता का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में 16 जून से चल रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' का मंगलवार को समारोहपूर्वक समापन हो गया। सीसीएल मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रों में 16 जून को स्वच्छता शपथ के साथ शुरू हुए इस अभियान के दौरान स्वच्छता, जन-जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समापन समारोह में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र और निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीसीएल स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध है तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी ने कहा कि स्वच्छ कार्यस्थल बेहतर कार्य संस्कृति के साथ सुरक्षा और उत्पादकता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कर्मचारियों से स्वच्छता को दैनिक आदत बनाने की अपील की।

समारोह का प्रमुख आकर्षण 'मिस्टर लापरवाह' नुक्कड़ नाटक रहा। नाटक के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और लापरवाहीपूर्ण आदतों पर प्रभावी संदेश दिया गया। समापन समारोह में सीसीएल के सफाई मित्रों एवं स्वच्छता कर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। निदेशक (मानव संसाधन) और निदेशक (तकनीकी/संचालन) ने उन्हें स्वच्छता किट प्रदान कर सम्मानित किया। किट में कैनवास बैग, टी-शर्ट, ग्लव्स, मास्क, सैनिटाइजर, टिफिन बॉक्स और तौलिया सहित अन्य सामग्री शामिल थी। 28 जून को 'स्वच्छता ऑन कैनवास-2026' चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें रांची के 30 विद्यालयों के 180 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं, अरगड़ा क्षेत्र की वर्कशॉप में कबाड़ से 'मेक इन इंडिया' की प्रतिमा बनाकर 'कबाड़ से कंचन' का संदेश दिया गया। रजरप्पा, कुजू और बरकासयाल क्षेत्रों में वॉल पेंटिंग, निबंध प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा जूट एवं कपड़े के थैलों के वितरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के अंतिम दिन पहाड़ी मंदिर परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि स्वच्छता को अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाएगा और सीसीएल परिवार स्वच्छ एवं विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाता रहेगा।

पखवाड़े में हुईं विविध गतिविधियां

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, कॉलोनियों और कार्यस्थलों पर सफाई अभियान, श्रमदान और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधरोपण, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान भी चलाए गए।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारु पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णत: गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

हूल दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हुए ऐतिहासिक संथाल हूल विद्रोह की स्मृति में मंगलवार को पिपरवार के कारो गांव में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। रूढ़ीगत ग्राम सभा कारो की ओर से सरना स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वीर क्रांतिकारी सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा सैकड़ों ग्रामीण महिला-पुरुषों ने वीर शहीदों के अद्वितीय साहस, संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान सरना स्थल "वीर शहीद अमर रहे" के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षत प्रियंका देवी ने की, जबकि संचालन सोनी कुमारी ने किया। वक्ताओं ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलो-झानो ने अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष कर आदिवासी समाज में स्वाभिमान और अधिकारों की अलख जगाई। उनका बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के संघर्ष और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

पिपरवार पुलिस को बड़ी सफलता

टीएसपीसी के दो उग्रवादी गिरफ्तार

- आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पिपरवार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) के दो वांछित उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी लंबे समय से नक्सली गतिविधियों एवं अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में फरार चल रहे थे। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में गठित विशेष छापेमारी दल ने कार्रवाई करते हुए टीएसपीसी के सक्रिय सदस्य मसी तिग्गा तथा किरण नगडवार को गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड संख्या 23/25 में आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज था तथा वे लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मसी तिग्गा का नक्सली गतिविधियों से पुराना संबंध रहा है। उसके खिलाफ पिपरवार, टंडवा एवं खलारी थाना क्षेत्रों में आर्म्स एक्ट, यूएपीए, सीएलए एक्ट, लूट, रंगदारी सहित कई गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। वहीं किरण नगडवार पर भी पिपरवार एवं टंडवा थाना क्षेत्रों में यूएपीए, आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस अभियान में एसडीपीओ टंडवा प्रभात रंजन बरवार, तथा पिपरवार थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलवाद और संगठित अपराध के खिलाफ विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा वांछित अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएवी खलारी में पुलिस ने बच्चों को दिया नशा मुक्ति का संदेश

जागरूकता को बताया सबसे बड़ा बचाव

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। युवाओं और विद्यार्थियों को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से खलारी थाना पुलिस ने मंगलवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, खलारी में विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रामकुमार वर्मा एवं पुअनि कपिलदेव यादव ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, उससे बचाव के उपाय और नशा संबंधी कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा पुलिस अधिकारियों का चंदन तिलक लगाकर स्वागत करने के साथ हुई। थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने कहा कि नशा आज समाज के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है और इसका सबसे अधिक असर युवाओं पर पड़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि छात्र जीवन में अपनाई गई अच्छी या बुरी आदतें पूरे भविष्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों व परिवार के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करने के साथ उसे अपराध की ओर भी धकेल सकता है। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को गलत संगति से बचने, किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ की पेशकश होने पर स्पष्ट रूप से मना करने तथा ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को देने की सलाह दी।

डुमरी में भाजपा ने मनाया हूल दिवस, अश्विनी चौबे बोले

सिदो-कान्हू का बलिदान देश कभी नहीं भूलेगा

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। भारतीय जनता पार्टी बेड़ो मंडल की ओर से डुमरी गांव में हूल दिवस का आयोजन श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी कुमार चौबे शामिल हुए। उन्होंने संथाल हूल के महानायक सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को देश के स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा एसटी मोर्चा अध्यक्ष बिरसा उरांव ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहू ने किया। इस अवसर पर अश्विनी चौबे, मांडर की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने संयुक्त रूप से सिद्धो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। अपने संबोधन में अश्विनी चौबे ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत झारखंड की धरती से संथाल हूल के रूप में हुई थी। सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष कर देशवासियों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। उनका बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान मंगरू मुंडा एवं गांव के पाहन जगत मुंडा को अश्विनी चौबे ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। वहीं, गांव की छात्रा साक्षी कुमारी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

करांजी में मोहर्रम मेला एवं जुलूस का हुआ भव्य आयोजन

- अखाड़ाधारियों ने लाठी और तलवार के हैरतअंगेज प्रदर्शन से बांधा समां, पुलिस प्रशासन ने संभाली व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

बेडो। प्रखंड के करांजी गांव स्थित मोहर्रम अखाड़े में मोहर्रम मेला सह जुलूस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री सह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने डीएसपी दीपक कुमार के साथ संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिथियों ने तलवार और लाठी भांजकर विधिवत रूप से मेले का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीडीओ राहुल उरांव, थाना प्रभारी मो. कफील अहमद, उप प्रमुख मोदि्सर हक, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष प्रो. करमा उरांव, मनरेगा बीपीओ संजय तिर्की सहित कई लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान और समर्पण का पर्व है। उन्होंने कहा कि यह पर्व पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाया जाता है।

रांची में आज से इंद्रजाल शो, पहले दो दिनों तक टिकटों पर विशेष छूट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के लोगों के लिए विश्वस्तरीय जादू का रोमांच देखने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। भारत के प्रसिद्ध जादूगर ए. सरकार और जी. सी. सरकार के भव्य इंद्रजाल (मैजिक शो) का आयोजन 2 जुलाई से द रॉयल हाइट बैंक्वेट हॉल, अटल स्मृति भवन (ए.सी.), चौथी मंजिल, वेंडर मार्केट, में किया जाएगा। यह शो आधुनिक तकनीक और पारंपरिक इंद्रजाल का अनूठा संगम होगा, जिसमें दर्शकों को हैरतअंगेज प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। आयोजकों के अनुसार, प्रतिदिन तीन शो आयोजित होंगे। पहला शो दोपहर 1 बजे, दूसरा शाम 4 बजे और तीसरा शाम 7 बजे शुरू होगा। प्रत्येक शो की अवधि दो घंटे होगी। दर्शकों की सुविधा के लिए टिकट 100, 200, 300 और 500 रुपए की श्रेणियों में उपलब्ध होंगे। शो के पहले दो दिन 200, 300 और 500 रुपए के टिकटों पर 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी। वहीं, यदि कोई स्कूल अपने विद्यार्थियों का समूह लेकर शो देखने आता है तो उसे विशेष रियायती दर पर टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे।

नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का भव्य समापन

सिल्ली। सिल्ली हाट बागान स्थित हरि मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का सोमवार देर रात जागरण एवं मंगलवार सुबह पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय बना रहा। संकीर्तन के दौरान सोंढ़ो, विभिन्न क्षेत्रों की कीर्तन मंडलियों ने भक्ति गीतों एवं हरिनाम संकीर्तन की प्रस्तुति दी।

बेडो और लापुंग में एसआईआर शुरू

घर-घर जाकर होगा मतदाताओं का सत्यापन

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बेडो एवं लापुंग प्रखंड में मंगलवार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की शुरुआत की गई। पहले दिन सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) एवं बीएलए-2 की बैठकें आयोजित कर घर-घर जाकर मतदाताओं के सत्यापन की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठकों में 30 जून से 29 जुलाई तक चलने वाले डोर-टू-डोर सत्यापन अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी राज कुंवर सिंह (बेड़ो) तथा अंचलाधिकारी पंकज कुमार (लापुंग) ने अपने-अपने प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ की बैठकों की समीक्षा की और अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

अभियान के तहत बेडो और लापुंग के कई विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। हूल दिवस की छुट्टी के बावजूद छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। लापुंग के राजकीय मध्य विद्यालय लेटे, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोंयसारा, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सेमला कुसुमटोली सहित कई विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वहीं, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मासू, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चचकोपी (भैंसादोन) सहित कई विद्यालयों में बैठक कर एसआईआर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

12वें जेबीसीसीआई गठन की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा ने की गेट मीटिंग

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। कोल इंडिया में 12वें जेबीसीसीआई (ज्वाइंट बाइपार्टाइट कमेटी फॉर द कोल इंडस्ट्री) के गठन की मांग को लेकर मंगलवार को पिपरवार क्षेत्र में संयुक्त मोर्चा की ओर से विभिन्न परियोजना स्थलों पर गेट मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान एक जुलाई को प्रस्तावित "मांग दिवस" कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया। संयुक्त मोर्चा के बैनर तले पिपरवार पिट ऑफिस, पिपरवार वर्कशॉप, सीएचपी पिपरवार एवं राजधर साइडिंग में आयोजित गेट मीटिंग की अध्यक्षता संयुक्त अध्यक्ष मंडली ने की। सभा का संचालन पिपरवार पिट ऑफिस में कामरेड अरविंद शर्मा, सीएचपी में हाजी इस्लाम अंसारी तथा राजधर साइडिंग में के.के. चतुर्वेदी ने किया।

अभियान | एसआईआर का इन्यूमरेशन फेज शुरू, मतदाताओं से सहयोग की अपील

खलारी प्रखंड में घर-घर होगा मतदाताओं का सत्यापन

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत मंगलवार से इन्यूमरेशन (गणना) फेज की शुरुआत हो गई। अभियान के पहले दिन खलारी प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ, सुपरवाइजर, विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष एवं अभियान से जुड़े सदस्यों की बैठक आयोजित की , गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन्यूमरेशन फेज 29 जुलाई 2026 तक चलेगा। इस अवधि में बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। सत्यापन के दौरान पात्र नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने, मृत अथवा स्थायी रूप से अन्यत्र चले गए मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में दर्ज विवरणों में आवश्यक संशोधन का कार्य निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से किया जाएगा। सभी प्रपत्रों की जांच के बाद उनका आनलाइन

इन्यूमरेशन (गणना) प्रपत्र में सभी आवश्यक जानकारियां सावधानीपूर्वक भरें: बीडीओ

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ खलारी प्रणव अम्बष्ट ने आम नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम इसमें सही रूप से दर्ज होना आवश्यक है। बीडीओ प्रणव अम्बष्ट ने कहा, बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन (गणना) प्रपत्र में सभी आवश्यक जानकारियां सावधानीपूर्वक भरें, अपनी नवीनतम फोटो चिपकाएं तथा निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर कर उसे बीएलओ को सौंप दें। प्रपत्र की एक प्रति जमा करने के बाद दूसरी प्रति पर प्राप्ति रसीद (पावती) अवश्य लें और उसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। गैर-भारतीय नागरिक अथवा भारतीय नागरिकता त्याग चुके व्यक्ति इस प्रपत्र को नहीं भरें। गलत जानकारी देकर गणना प्रपत्र या घोषणा पत्र जमा करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत गंभीर एवं दंडनीय अपराध है, जिसके लिए कानूनी कार्रवाई का प्रविधान है।

दृष्टिपात

वज्रपात से किसान का बैल मरा

चान्हो। प्रखंड अंतर्गत सोंस पंचायत के बुचाओपा गांव में मंगलवार की शाम तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट में आने से किसान फूलदेव उरांव के बैल की मौत हो गई। बताया जाता है कि फूलदेव उरांव अपनी खेती-बाड़ी के लिए मुख्य रूप से इसी बैल पर निर्भर थे। बैल की अचानक मृत्यु से उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है, जिससे आगामी कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को आपदा राहत एवं उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

मांडर में प्रखंड कांग्रेस की बैठक में एसआईआर अभियान पर हुई चर्चा

मांडर। मंगलवार को प्रखंड सभागार में कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं झारखंड सरकार समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने की। उन्होंने एसआईआर अभियान के तहत सभी बूथों की मैपिंग की समीक्षा की। बीएलए कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि 30 जून से गणना प्रपत्र भरने के दौरान बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर काम करें, ताकि कोई भी योग्य मतदाता छूटने न पाए। बंधु तिर्की ने आगामी 2 जुलाई 2026, गुरुवार को आयोजित होने वाले मैट्रिक स्तरीय सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मंगा उरांव, तबारक खान, जमील मलिक, संजय तिग्गा, अमित खलखो, सेरोफीना मिंज, अफसाना खातून, इरफान अंसारी, जुवेल तिग्गा, आजाद अंसारी, इंदु तिग्गा, चिंता उरांव, सुका उरांव, होसे उरांव समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एसआईआर और सम्मान समारोह को लेकर अपनी जिम्मेदारी तय की।

मांडर के बोंडो में घर पर बम फेंका, एक फटा, तीन बरामद

- पुलिस ने दो को पकड़ा, डराने की नीयत से किया था हमला

मांडर। महुवा जाड़ी पंचायत के बोन्डो गांव में सोमवार रात अज्ञात लोगों ने कुलदीप खलखो के घर पर चार देशी बम फेंक दिए। एक बम फटने से एस्बेस्टस का छप्पर टूट गया, जबकि तीन बम नहीं फटे। कुलदीप ने बताया कि रात 12 बजे धमाके की आवाज आई। ट्रांसफार्मर ब्लास्ट समझकर वह बाहर नहीं गए। मंगलवार सुबह पिता एतवा उरांव ने टूटी एस्बेस्टस शीट, छत पर तीन जिंदा बम और बाहर फटे बम के टुकड़े देखे। इसके बाद मांडर थाना को सूचना दी गई। थाना प्रभारी मनोज करमाली और खलारी डीएसपी आरएन चौधरी दल-बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने तीनों बमों को सुरक्षित निष्क्रिय कर दिया। कुलदीप ने दो नामजद व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उसका कहना है कि हमला जान से मारने व धमकाने के लिए किया गया। पुलिस ने मांडर के कुरकुरा मंदरो निवासी सरिता कुजूर और इटकी थाना क्षेत्र के नारी निवासी समीर करकेट्टा को हिरासत में लिया है। मामले की छानबीन जारी है।

शहीद डीएसपी प्रमोद कुमार समेत पांच जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड पुलिस के इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में शामिल तमाड़ के पुण्डिदीरी लैंडमाइन विस्फोट कांड को मंगलवार को 18 वर्ष पूरे हो गए। 30 जून 2008 को माओवादियों द्वारा बिछाए गए लैंडमाइन की चपेट में आने से बुंडू के तत्कालीन एसडीपीओ (डीएसपी) प्रमोद कुमार सहित पांच पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। इस घटना को आज भी झारखंड पुलिस और स्थानीय लोग एक काले दिन के रूप में याद करते हैं। जानकारी के अनुसार, मई 2008 में आईसीआईसीआई बैंक की कैश वैन से करीब 5.5 करोड़ रुपये की लूट के मामले में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम लुंगटू के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाकर लौट रही थी। इसी दौरान माओवादियों के कुंदन पाहन गिरोह ने पहले से बिछाए गए लैंडमाइन के जरिए पुलिस टीम को निशाना बनाया। जैसे ही पुलिस वाहनों का काफिला करकरी नदी का पुल पार कर पुण्डिदीरी गांव के समीप पहुंचा, शक्तिशाली विस्फोट हुआ। तमाड़ थाना प्रभारी की गाड़ी के पीछे चल रही तत्कालीन एसडीपीओ प्रमोद कुमार की गाड़ी सीधे लैंडमाइन की चपेट में आ गई। धमाका इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही डीएसपी प्रमोद कुमार शहीद हो गए।

अशोका माइंस में भूस्खलन की आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल

पिपरवार। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सीसीएल एनके एवं पिपरवार इकाई की ओर से मंगलवार को अशोका माइंस क्षेत्र में ब्लास्टिंग से संभावित भूस्खलन (लैंडस्लाइड) जैसी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का परीक्षण करना तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। मॉक ड्रिल के दौरान यह काल्पनिक स्थिति बनाई गई कि माइंस क्षेत्र में ब्लास्टिंग के बाद अचानक भूस्खलन हो गया, जिससे कई कर्मी प्रभावित हो गए और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के जवानों ने तत्काल प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जवानों ने घायल कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया तथा आवश्यकता अनुसार एंबुलेंस के माध्यम से सीसीएल बचरा अस्पताल भेजने की प्रक्रिया का भी सफल प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान सीसीएल फायर विंग, पिपरवार थाना पुलिस, थर्ड आईआरबी बटालियन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों ने आपसी समन्वय के साथ आपदा प्रबंधन की कार्यप्रणाली का सफल अभ्यास किया।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

सिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत मंगलवार को सिल्ली प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। कांग्रेस प्रखंड कमेटी की ओर से नियुक्त बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सक्रिय रहकर मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों में जुटे रहे।कार्यकर्ताओं ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाना है। इसे सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और उत्साह के साथ कार्य कर रहे हैं। अभियान के तहत खेदाडीह गांव के बूथ संख्या 56 एवं 57, पतराहातू के बूथ संख्या 72, दोवाडू के बूथ संख्या 64 एवं 65, विसरिया पंचायत के बूथ संख्या 104 एवं 118 तथा सिल्ली पंचायत के बूथ संख्या 83, 84, 85, 86, 87 और 88 सहित कई मतदान केंद्रों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया दिवस पर श्री अग्रसेन स्कूल में डिबेट का आयोजन

सोशल मीडिया को किसी ने बताया वरदान, तो किसी ने कहा आभासी दुनिया फैला रही नकारात्मकता

● सोशल मीडिया को वरदान बताने वाले विद्यार्थियों ने कहा कि आज सूचना और संवाद का सबसे तेज माध्यम बन गया है

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। सोशल मीडिया दिवस के अवसर पर मंगलवार को श्री अग्रसेन स्कूल में डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। डिबेट का विषय था सोशल मीडिया वरदान या अभिशाप। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं पर जागरूकता बढ़ाते हुए उनमें तार्किक सोच, अभिव्यक्ति की क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करना था।

डिबेट की शुरुआत में शिक्षक कुमुल कुमार ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। यह न केवल संचार का सशक्त माध्यम है, बल्कि शिक्षा, व्यवसाय, मनोरंजन और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। डिबेट में शामिल एक पक्ष के प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया को वरदान बताया, जबकि दूसरे पक्ष ने इसे अभिशाप के रूप में प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों ने इसके लिए अपने-अपने तर्क दिए। सोशल मीडिया को वरदान बताने वाले विद्यार्थियों ने कहा कि आज के डिजिटल युग में यह सूचना और संवाद का सबसे तेज माध्यम बन गया है। इसके जरिए लोग दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से कुछ ही क्षणों में जुड़ सकते हैं। विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, वेबिनार और शैक्षणिक सामग्री तक पहुँच आसान बनाने में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त सामाजिक अभियानों, आपदा राहत कार्यों और जन-जागरूकता फैलाने में भी इसकी उपयोगिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं सोशल मीडिया को अभिशाप बताने वाले प्रतिभागियों ने इसके दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग समय की बर्बादी, मानसिक तनाव और एकाग्रता में कमी का कारण बन रहा है। फेक न्यूज, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी और निजता के उल्लंघन जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।विद्यार्थियों ने यह चिंता भी व्यक्त की कि कई युवा वास्तविक जीवन के संबंधों से दूर होकर आभासी दुनिया में अधिक समय बिताने लगे हैं, जिसका उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

सूर्यकुंड धाम में मना हूल दिवस, वीर सपूतों को किया गया नमन

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक पर्यटक स्थल सूर्यकुंड धाम में भारत जकात मांझी परगना महाल के सदस्यों व अन्य लोगों के द्वारा मंगलवार दोपहर को हुल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राम जी बेसरा ने कहा आज का दिन हमें सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव और फूलो-झानो जैसे महान वीरों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने अन्याय और शोषण के विरुद्ध अपनी जान की परवाह किए बिना संघर्ष किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वाभिमान की मशाल जलाई। मनोज मुर्मू ने कहा, हूल दिवस के इस पावन अवसर पर हम अपने वीर पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक नमन करें और उनके बताए एकता, साहस, सम्मान और संघर्ष के मार्ग पर चलने का संकल्प लें।हूल हमारी पहचान है, हूल हमारा स्वाभिमान है। वीरों का बलिदान ही झारखंड की शान है। मौके पर अध्यक्ष रामजी बेसरा सचिव मनोज मुर्मू , महेंद्र मुर्मू, रामू मरांडी, बिनोद बेसरा, दासों मुर्मू, छोटन मरांडी, शंकर साव, बासुदेव मरांडी, रामू टुडू सहदेव हेंब्रम, प्रधानाध्यापक संजुल मुर्मू, प्रधानक अध्यापक महादेव मुर्मू, केशोलाल किस्कू, शिबू हांसदा, सूरज बसके दिनेश बेसरा, प्रधानाध्यापक मुकेश शर्मा ,मनोज मुर्मू समेत दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

दृष्टिपात

झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमिटी ने कार्यालय में मनाया हूल दिवस

भुरकुंडा। झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातु प्रखंड कमिटी ने मंगलवार को भुरकुंडा स्थित प्रधान कार्यालय में हूल दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सिद्धू-कान्हू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। वक्ताओं ने कहा कि सिद्धू-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासी समाज को संगठित कर ऐतिहासिक संघर्ष किया था। उनका बलिदान आज भी समाज को अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हुल क्रांति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान सामाजिक एकता, अधिकारों की रक्षा और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मौके पर झलकू बेदिया, उदय अग्रवाल, हरीलाल बेदिया, मुकेश राउत, संजय वर्मा, चैलेन्द बेदिया, लखन मुंडा, आजाद अंसारी, मनसा बेदिया, राजन करमाली, चरकु गंजू, दीपक साव, किशोर कुमार, सतनारायण यादव, संजीव मुंडा, शिवनारायण प्रसाद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पटेल नगर में वैदिक विधि से हुआ मूर्ति विसर्जन व हवन-पूजन

● उपस्थित लोगों ने कहा कि नए स्वरूप में मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। पटेलनगर स्थित श्री श्री शिवशक्ति धाम मंदिर के जीर्णोद्धार एवं भव्य पुनर्निर्माण की शुरुआत मंगलवार को वैदिक रीति-रिवाज के साथ हुई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में मूर्ति विसर्जन, हवन-पूजन, रुद्राभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में यजमान के रूप में निर्मल अग्रवाल सपत्नीक शामिल हुए, जबकि आचार्य अशोक मिश्रा व मुकेश पाण्डेय ने पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। अनुष्ठान के दौरान मंदिर में स्थापित शिव परिवार की प्रतिमाओं एवं शिवलिंग का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौरी गणेश पूजन, रुद्राभिषेक, महाआरती व विर्सजन विधि मंत्रोच्चारण से की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि नए स्वरूप में मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में उमेश राजगढ़िया, उदय सिंह, नरेश त्रेहान, बद्री प्रसाद वर्णवाल, उत्तम सिन्हा, जितेंद्र पांडेय, सुनील अग्रवाल, बिनोद शर्मा, बिमल यादव, मुन्ना यादव, संजय अग्रवाल, बिनय तिवारी, रामाकांत दुबे, नरेंद्र कुमार सिंह, अशोक सिंह, दिलीप मनकसिया, शिव कुमार गुप्ता, शिव कुमार शर्मा सहित दर्जनों शामिल थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण-2026 के तहत उपायुक्त ने किया निरीक्षण

पुनरीक्षण अभियान को सही ढंग से संचालित करने का दिया निर्देश

● उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर -2026) के तहत चल रहे एन्यूमरेशन कार्य की प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने मंगलवार को 23-रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्र वितरण, प्रपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया, मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही जानकारी तथा अभिलेख संधारण की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर आयोजित चुनाव पाठशाला का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने उपस्थित मतदाताओं से संवाद करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की जानकारी दी तथा सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बीएलओ को निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण के दौरान प्रत्येक मतदाता को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी दें तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए।। उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा गणना प्रपत्र वितरण एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों का जायजा लिया।

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रपत्र भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में अपना सक्रिय सहयोग दें।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान शुरू, नए मतदाताओं को जोड़ने पर जोर

बरही। मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत भाजपा की ओर से मंगलवार को गौरियाकरमा पंचायत के धोबियाटांड़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में जागरूकता बैठक आयोजित की गई। जिसमे भाजपा के वरिष्ठ नेता सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए-2, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय मतदाताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी गई। बताया गया कि 30 जून से 30 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस अभियान के दौरान मतदाता अपने नाम, पता एवं अन्य विवरणों का सत्यापन एवं संशोधन करा सकते हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवक-युवतियां फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। बैठक में "कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई अपात्र मतदाता जुड़े नहीं" के संदेश के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि राजन ओम, संजय कुमार वर्मा, संतोष कुमार, विश्वेश्वर प्रसाद, सुरेंद्र कुमार सहित कई महिला मतदाता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तीन बच्चों के साथ घर से निकली महिला लापता, बरही थाना में सनहा दर्ज

बरही। करियातपुर गांव की रहने वाली एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। मामले को लेकर उसकी सास ने बरही थाना में सनहा दर्ज कराया है। आवेदन के अनुसार करियातपुर निवासी शांति देवी (56 वर्ष), पति तालेश्वर रविदास द्वारा 28 जून को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उनकी मझली पुत्रवधू पार्वती देवी अपने तीन पुत्रों के साथ घर से निकली थी, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पा रहा है। उनका पुत्र रोजगार के सिलसिले में केरल गया हुआ है। आवेदन के अनुसार 24 जून की सुबह 8 बजे गुमशुदा महिला ने अपनी सास को फोन कर बताया था कि वह मायके जा रही है। इसके बाद जब परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की तो शुरुआत में फोन रिसीव नहीं हुआ। बाद में फोन चालू होने पर महिला ने बातचीत तो की, लेकिन अपने ठिकाने की स्पष्ट जानकारी नहीं दी। परिजनों द्वारा लगातार पूछताछ करने पर भी उसने अपना स्थान बताने से इनकार कर दिया। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर खोजबीन की, लेकिन महिला और बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला। लापता महिला के साथ उसका बड़ा पुत्र बादल कुमार (13 वर्ष), मंझला पुत्र प्रशांत कुमार (12 वर्ष) तथा छोटा पुत्र प्रशांत कुमार (4 वर्ष) भी है। पुलिस ने सनहा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा महिला और बच्चों की तलाश की जा रही है।

गणना प्रपत्र वितरण के साथ पुनरीक्षण अभियान शुरू

बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को दें सही जानकारी : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

बरही। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत मंगलवार से गणना प्रपत्र वितरण एवं घर-घर सत्यापन कार्य की शुरुआत की गई। इस अवसर पर परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, बरही स्थित बूथ पर बूथ अवेयरनेस ग्रुप (BAG) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी जोहान टुडू एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

एसडीओ जोहान टुडू ने कहा कि SIR का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे तथा मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्तियों की प्रविष्टियों का निष्पादन हो, इसके लिए आम जनता का सहयोग आवश्यक है।

बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि गणना प्रपत्र में दर्ज सूचनाओं के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि बीएलओ के घर पहुंचने पर सही जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं तथा निर्धारित समय के भीतर गणना प्रपत्र भरकर जमा करें।

बैठक में कोनरा मुखिया यास्मीन तबस्सुम, कांग्रेस नेता डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, उपमुखिया प्रतिनिधि मो. इजहार, रिजवान अंसारी, गुलजार अंसारी, बीएलओ सह सहिया कांति देवी, संयुक्ता सिन्हा, अनीता केसरी, तबस्सुम, सुनीता विश्वकर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

भूमि विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, 12 घायल

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कपका में भूमि विवाद को लेकर हुई खूनी संघर्ष में 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। मंगलवार की सुबह 7 बजे के करीब खेत जोतने को लेकर हुई कहासुनी खून-खराबा में तब्दील हो गया। मारपीट में बीरेंद्र मंडल 47 वर्ष रामलाल महतो, इंदो महतो 70, किशोर साव 60 वर्ष, मुकेश कुमार 27 वर्ष पिता नंदलाल महतो, मुकेश कुमार 31 वर्ष पिता बनवारी महतो, मनोज महतो 29 वर्ष पिता इंदो महतो, सूरज कुमार 27 वर्ष पिता लाल मोहन प्रसाद, देवकी देवी 60 वर्ष पति प्रयाग महतो, उनके पुत्र विकास कुमार 25 वर्ष, लालधारी महतो 60 वर्ष तथा दूसरे पक्ष के कौलेश्वर यादव 40 वर्ष पिता रुपन यादव, रंजीत कुमार यादव 30 वर्ष पिता महेश यादव घायल हो गये। घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया। जहां से चिकित्सक ने सभी को बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग रेफर कर दिया। इस बाबत दोनों पक्षों की ओर से बरकट्ठा थाना में मारपीट को लेकर आवेदन दिया गया है।

एस्बेस्टस काटकर मोबाइल दुकान में चोरी का प्रयास विफल

बरही। कोनरा पंचायत भवन के समीप संचालित रौनक मोबाइल दुकान में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक मो. शाहरुख ने बताया कि घटना 26 जून की रात की है, जिसकी जानकारी उन्हें 29 जून को हुई। बारिश के दौरान दुकान में पानी टपकने पर जब उन्होंने छत की जांच की, तब पता चला कि किसी ने दुकान की छत पर लगे एस्बेस्टस को काट दिया है। दुकानदार के अनुसार, छत के नीचे लगी फॉल्स सीलिंग के कारण चोर दुकान के भीतर प्रवेश नहीं कर सके, जिससे संभावित बड़ी चोरी टल गई। उन्होंने बताया कि पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में 20 से 30 वर्ष आयु का एक युवक संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दे रहा है। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी जा रही है। भुक्तभोगी दुकानदार ने बताया कि उनकी दुकान में पूर्व में भी तीन बार चोरी की घटनाओं को इसी प्रकार अंजाम दिया जा चुका है। थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के बावजूद अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गहन जांच कर आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व पोस्ट ऑफिस के समीप स्थित एक मोबाइल दुकान में भी इसी प्रकार चोरी की घटना हुई थी, जिसमें चोर सामान लेकर फरार हो गए थे।

राधा गोविन्द विवि के संकाय में नेशनल इंश्योरेंस जागरूकता दिवस मनाया गया

रामगढ़। सोमवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय में नेशनल इन्श्योरेन्स जागरूकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओ को आपात स्थितियों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने वाली विभिन्न बीमा पॉलिसियों के महत्व और लाभों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर संकाय के व्याख्यातागणों ने छात्र-छात्राओ को इन्श्योरेन्स के प्रति जागरूक किए और इस विषय पर छात्र-छात्राओं ने भी अपने अपने विचार रखे। प्रबंधन विभाग के आयुष, अर्पित, आदित्य एवं वाणिज्य विभाग से आस्था राज, आयशा अंजुम, कोमल अग्रवाल ने अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय कुलाधिपति बी एन साह ने इंश्योरेंस डे के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उन्होंने कहा कि सुरक्षित जीवन और समृद्ध भविष्य के लिए बीमा के महत्व को अपनाएँ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ रंजन कुमार ने बताया की बीमा केवल एक पॉलिसी नहीं, बल्कि जीवन, परिवार और भविष्य की सुरक्षा का सशक्त संकल्प है। बीमा का होना हर एक आदमी के लिए आवश्यक है। व्याख्याता उदय प्रसाद ने छात्रों को बताया कि बीमा खर्च नहीं , अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश है। कार्यक्रम का संचालन मो रिज़्वान नूरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार केशरी ने किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विभाग के व्याख्याता डॉ प्रशांत कुमार , कुंदन कुमार, डॉ रचिता सिंह एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

सनसनी डॉग स्क्वायड बुलाने के बाद भी मृतका की नहीं हो सकी पहचान

अज्ञात महिला का शव मिलने से ग्रामीणों में दहशत

● शव से कुछ ही दूरी पर मृतक का हैंड बैग, छाता, कपड़ा और अन्य श्रृंगार का सामान पड़ा मिला है

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। झुरझूरी-सलैया मार्ग के बीच स्थित पुल के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने पुल के समीप महिला का शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना बरकट्ठा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शव की पहचान कराने के लिए आसपास के ग्रामीण एवं राहगीर भी मौके पर पहुंचे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला के शरीर पर कई चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। कुछ लोगों ने आशंका जताई की हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने की नियत से शव को जंगल के समीप पुल किनारे फेंका गया होगा। वहीं, कुछ लोगों ने चेहरे की स्थिति देखकर तेजाब डाले जाने की भी आशंका व्यक्त की है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या या तेजाब हमले की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतका की पहचान अथवा घटना से संबंधित कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।शव से कुछ ही दूरी पर मृतक का हैंड बैग, छाता, कपड़ा और अन्य श्रृंगार का सामान पड़ा मिला है। आशंका जताई जा रही है की लगभग तीन-चार दिन पहले ही उक्त महिला को जला कर मारने के बाद रात को सलैया जंगल में उसे फेंक दिया गया है। पुलिस मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर रही है। घटना के पश्चात पुलिस ने डॉग स्क्वायड को बुलाया इसके बावजूद भी किसी तरह का पहचान नहीं हो पाया। इस बाबत प्रभारी थाना प्रभारी देवदत्त कुमार का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

एसआईआर इन्यूमरेशन अभियान में डीसी ने मतदान बूथों का किया निरीक्षण

मतदाताओं से गणना प्रपत्र समय पर भरकर जमा करने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह ने मंगलवार को एसआईआर-2026 इन्यूमरेशन अभियान के तहत ठेठईटांगर प्रखंड स्थित उर्दू हाई स्कूल, खैरनटोली सहित विभिन्न मतदान बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथों पर चल रहे गणना प्रपत्र वितरण कार्य की समीक्षा की तथा बूथ लेवल ऑफिसरों से प्रपत्र वितरण, मतदाताओं की उपस्थिति और अभियान की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र मतदाताओं तक गणना प्रपत्र समय पर पहुंचाया जाए और उन्हें प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की सही एवं स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बूथ पर पहुंचे मतदाताओं से भी संवाद किया और उन्हें निर्धारित समय के भीतर गणना प्रपत्र भरकर जमा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को अभियान के प्रति पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि नियमित निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि एसआईआर-2026 इन्यूमरेशन अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

श्रमदान से ग्रामीणों ने बनाई 600 मीटर कच्ची सड़क, विधायक पर उपेक्षा का आरोप

सिमडेगा। सिमडेगा प्रखंड की गरजा पंचायत अंतर्गत डांड़टोली पालामड़ा नदी के समीप मंगलवार को ग्रामीणों ने श्रमदान कर लगभग 600 मीटर कच्ची सड़क का निर्माण किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क किसी सरकारी योजना या सरकारी फंड से नहीं, बल्कि गांव के लोगों के सामूहिक प्रयास से बनाई गई है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिए कई बार मांग उठाई गई, लेकिन जनप्रतिनिधियों की ओर से अपेक्षित पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि सिमडेगा विधायक भूषण बड़ा का आवास यहां से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर होने के बावजूद सड़क निर्माण नहीं हो सका। इसी कारण ग्रामीणों ने स्वयं श्रमदान कर रास्ता तैयार किया।ग्रामीणों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि इस कच्ची सड़क का शीघ्र पक्कीकरण कराया जाए, ताकि लोगों को सालभर सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

दृष्टिपात

सिमडेगा सदर अस्पताल के फार्मेसी कर्मी शिवकुमार सिंह को भावभीनी विदाई

सिमडेगा। सदर अस्पताल सिमडेगा के फार्मेसी विभाग में कार्यरत शिवकुमार सिंह 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।समारोह में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शीलवन्त एक्का की उपस्थिति में शिवकुमार सिंह को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके लंबे सेवाकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मधुर व्यवहार के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। मरीजों और सहकर्मियों के बीच उनकी कार्यशैली की सराहना की जाती रही।सम्मान से अभिभूत शिवकुमार सिंह विदाई के दौरान भावुक नजर आए। उन्होंने सभी सहकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के बाद वे अपने पैतृक गांव, बिहार के लिए रवाना हो गए।इस अवसर पर आलोक कुमार, प्रवीण कुमार, अरुण कुमार, नौरंगी सहित सदर अस्पताल के कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीरू मंडल में संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

सिमडेगा। भाजपा के बीरू मंडल में मंडल अध्यक्ष कुलदीप मिश्रा की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में जिला अध्यक्ष दीपक पुरी ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है।बैठक में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह के प्रस्तावित दो दिवसीय सिमडेगा प्रवास कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस दौरान वे विभिन्न मंडलों में संगठनात्मक बैठकों में शामिल होकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक एवं जिला प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डु ने भी संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में मंडल प्रभारी अनूप प्रसाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंह, बीएलए-1 तुलसी साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष दुर्गा विजय सिंह देव, मुखिया गंगाधर लोहरा, बसंत नारायण मांझी, हीराराम, रामलाल नायक, सुनील मिंज, मंडल उपाध्यक्ष घनश्याम दास, रामजीत सिंह, महामंत्री फूलचंद पातर एवं नरसिंह पेठाई सहित सभी शक्ति केंद्रों के संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झामुमो ने मनाया हूल दिवस वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

बानो। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड समिति बानो की ओर से मंगलवार को हुल दिवस के अवसर पर सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उनके बलिदान और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि एवं झामुमो नेताओं ने कहा कि हुल दिवस आदिवासी स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव और फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष कर समाज को अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा दी। उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। नेताओं ने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि तनवीर हुसैन, झामुमो सचिव अमित बडिंग, बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनीर खान, सामुएल बुढ़, अकबर खान, बरदान गुड़िया, सहित कई कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

अवैध बालू परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त

सिमडेगा। जिले में अवैध बालू परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सिमडेगा के सीओ सह बीडीओ इम्तियाज अहमद ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान गरजा पेट्रोल पंप के समीप बालू लदे एक ट्रैक्टर को पकड़ा। जांच के दौरान चालक आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद ट्रैक्टर को जब्त कर थाना के सुपुर्द कर दिया गया तथा संबंधित मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। प्रशासन ने बताया कि एनजीटी के निर्देशों के अनुसार 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू का उठाव प्रतिबंधित है। साथ ही सिमडेगा जिले में अभी बालू घाटों का टेंडर भी नहीं हुआ है, इसलिए अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक कोंगाड़ी के विधायक मद से ठेठईटांगर में एंबुलेंस वितरण

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने अपने विधायक मद से सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया, सिमडेगा शाखा ठेठईटांगर को रखरखाव के लिए एक एंबुलेंस उपलब्ध कराई। इसका उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है।इस अवसर पर विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि जनता को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने और आपात स्थिति में लोगों की मदद के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता बेहद आवश्यक है। भविष्य में भी ऐसी जनहितकारी पहल जारी रहेगी।स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि एंबुलेंस मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को समय पर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने में काफी सुविधा होगी और यह जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।कार्यक्रम में जिला विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद शमी आलम, रावेल लकड़ा, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, डॉ. अभिषेक, बीपीएम सेवक राम, बीडीएम रोशन, मोहम्मद कारू, मोहम्मद ग्यास, हाजी अशफाक आलम, मोहम्मद कय्यूम सहित सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : मनोज सिंह

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में मंगलवार को आयोजित संगठनात्मक बैठक में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।बैठक की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि तथा वंदे मातरम् गान से हुई। हूल दिवस के अवसर पर वीर शहीद सिद्धू-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। जिलाध्यक्ष दीपक पुरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। वहीं जिला संगठन प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डु ने मंडल एवं बूथ समितियों को नियमित बैठकें आयोजित करने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा सेवा और सुशासन के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।बैठक का संचालन जिला महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री रवि गुप्ता ने दिया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक, तुलसी साहू, प्रणव कुमार, सुजान मुंडा, श्रद्धानंद बेसरा, कृष्णा बड़ाईक, संजय ठाकुर, विकास साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बानो में 65वीं सुब्रतो कप प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

बानो। एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय बानो के फुटबॉल मैदान में मंगलवार को 65वीं सुब्रतो कप प्रखंड स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बालक-बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में प्रखंड की कुल 17 टीमों ने हिस्सा लिया।मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने तथा खेल के क्षेत्र में उपलब्ध करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बानो प्रखंड खेल प्रतिभाओं के लिए अपनी अलग पहचान बना चुका है।अंडर-17 बालिका वर्ग के फाइनल में उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोनसोदे ने एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय बानो को 1-0 से हराकर खिताब जीता। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग एवं अंडर-15 बालक वर्ग में एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय बानो ने अपने-अपने मुकाबले 1-0 से जीतकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार सिंह ने किया। प्रतियोगिता नोडल शिक्षक मुकेश साहू की देखरेख में आयोजित हुई। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं, खेल पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस पर मारपीट का आरोप, डीएसपी ने गांव पहुंच शुरू की जांच

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के टापूडेगा पंचायत अंतर्गत पंडरीपानी महुआ टोली गांव में पुलिस पर एक परिवार के साथ मारपीट करने का आरोप लगने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ट्रक खड़ा करने के विवाद में गांव के एक व्यक्ति के कहने पर पुलिस ने चालक मोहित मांझी सहित उसकी मां, बहन और पत्नी के साथ मारपीट की।ग्रामीणों के अनुसार, मोहित मांझी अपने घर के समीप खाली स्थान पर ट्रक खड़ा करता था। इसी बात को लेकर गांव के सुरेश साहू के साथ विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मोहित के साथ मारपीट की। परिवार का आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचीं महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार और मारपीट की गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने बैठक कर प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज एवं भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा को पूरे मामले की जानकारी दी।सूचना मिलने पर वरीय पुलिस उपाधीक्षक रणवीर सिंह गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार सहित ग्रामीणों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू की। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा है, जबकि प्रशासन ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान सफल, 10,824 बच्चों को पिलाई गई दवा

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान “कोई बच्चा छूटे नहीं” के तहत सफलतापूर्वक संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में कुल 96 पोलियो बूथ बनाए गए, जहां 10,824 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई।अभियान को सफल बनाने में सहिया, आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं सात सुपरवाइजर पूरे अभियान के दौरान विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते रहे, जिससे कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ।अभियान का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो में जिला परिषद सदस्य बीरजो कंडुलना, विधायक प्रतिनिधि जगदीश बागे, बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाईक एवं चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोरंजन कुमार ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया था। स्वास्थ्य विभाग ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए अपील की कि भविष्य में भी अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की प्रत्येक खुराक अवश्य दिलाएं, ताकि पोलियो मुक्त समाज के लक्ष्य को बनाए रखा जा सके।

लचरागढ़ से 11 वर्षीय छात्र प्रिंस कंडुलना लापता, परिजनों ने की मदद की अपील

कोलेबिरा। थाना क्षेत्र के लचरागढ़ से 11 वर्षीय छात्र प्रिंस कंडुलना के लापता होने का मामला सामने आया है। प्रिंस मोंटफोर्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा छह का छात्र है। परिजनों के अनुसार, 29 जून की दोपहर स्कूल से घर लौटने के बाद वह साइकिल से इंदटांड़ मैदान खेलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। बच्चे के पिता प्रवीण कंडुलना ने कोलेबिरा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रिंस ने गुलाबी टी-शर्ट और भूरे रंग का हाफ पैंट पहन रखा था तथा उसके चेहरे पर घाव का निशान है। किसी भी जानकारी के लिए 8102906996 या 8340144870 पर संपर्क करने की अपील की गई है।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में संगठन मजबूती व किसान हितों पर मंथन

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में मंगलवार को किसान मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रमंडलीय जिला प्रभारी मंगल सिंह भोक्ता एवं जिला अध्यक्ष हीरा राम ने संगठन विस्तार, किसानों की समस्याओं, आगामी कार्यक्रमों तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने पर चर्चा की।मंगल सिंह भोक्ता ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि से ही देश का विकास संभव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया। वहीं जिला अध्यक्ष हीरा राम ने कहा कि किसान मोर्चा किसानों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और संगठन को पंचायत व बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को सशक्त बनाने और किसान हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम हूल दिवस पर झामुमो ने वीर शहीद सिद्धो-कान्हो को दी श्रद्धांजलि

हूल क्रांति ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश दिया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति सिमडेगा ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर वीर शहीद सिद्धो-कान्हो सहित हूल क्रांति के सभी अमर सेनानियों को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने की।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि वर्ष 1855 में अंग्रेजों के अत्याचार, शोषण और दमन के खिलाफ “हमारी माटी छोड़ो” का बिगुल फूंकने वाले सिद्धो-कान्हो का संघर्ष और बलिदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति ने समाज को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस दिया और आज भी उनके आदर्श प्रासंगिक हैं।जिला सचिव मो. सफीक खान ने कहा कि हूल दिवस आदिवासी वीरों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करने का दिन है। उन्होंने समाज में समानता, न्याय और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ाइक, मो. सेराजुद्दीन, नोवस केरकेट्टा, फिरोज अली, प्रफुल्लित डुंगडुंग, मो. इरशाद, किशोर डांग, जाफर खान, प्रेमधानी हेमरोम, विनोद तिर्की सहित बड़ी संख्या में झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आजसू ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

सिमडेगा। आजसू पार्टी जिला कमेटी सिमडेगा ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय ठाकुरटोली में कार्यक्रम आयोजित कर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरो तथा फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष धुपेंद्र पांडेय ने कहा कि सिदो-कान्हू का संघर्ष और बलिदान सदैव समाज को प्रेरित करता रहेगा। जिला सचिव विकास बड़ाईक ने कहा कि हूल दिवस हमें अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता शिवनाथ डेहरी, नारायण बड़ाईक, देवेंद्र साहू, जॉन पॉल, लालू ठाकुर, दिलीप बड़ाईक, उत्तम कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाकुड़ में मनाया हूल दिवस, याद किए गए शहीद सिदो-कान्हू

● स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई 1855 में अंग्रेज सैनिकों के साथ पाकुड़ के धनुष पूजा में हुई थी

पाकुड़/बोकारो। जिला मुख्यालय सहित प्रखंड मुख्यालयों एवं ग्रामीण इलाकों में हूल दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिला मुख्यालय के सिदो-कान्हू मुर्मू पार्क में शहीद सिदो-कान्हू, चांद- भैरव की प्रतिमा पर प्रशासनिक अधिकारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, सामाजिक एवं छात्र संगठनों ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ग्राम प्रधानों ने शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव की पूजा अर्चना पारंपरिक रीति रिवाज से की। हूल दिवस के अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने झांकी निकाली। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता रैली की शक्ल में पार्क पहुंचे और प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं उप विकास आयुक्त अरविंद लाल, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल के अलावा भाजपा, कांग्रेस, आजसू, जदयू तथा राजद के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी सिदो- कान्हू और चांद-भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। हूल दिवस के अवसर पर लिट्टीपाड़ा के डुमरिया में पूर्व विधायक दिनेश विलियम मरांडी, विधायक हेमलाल मुर्मू ने अपने समर्थकों के साथ शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई 1855 में अंग्रेज सैनिकों के साथ पाकुड़ के धनुष पूजा में हुई थी, जहां एक रात में ही अंग्रेजो ने मार्टिलो टावर का निर्माण कराया था और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल सिदो-कान्हू, चांद- भैरव सहित हजारों लोगों पर इसी मार्टिलो टावर से गोलिया बरसायी थीं लेकिन सिदो-कान्हू, चांद- भैरव सहित आंदोलन में शामिल लोगों ने तीर धनुष से अंग्रेज सैनिकों के दांत खट्टे कर दिए थे और अंग्रेज सैनिकों को वहां से भागना पड़ा था।

हूल दिवस पर पूर्व मंत्री ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को भुईयांडीह स्थित वीर शहीद सिद्धू-कान्हू चौक में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूजा-अर्चना कर देश और समाज के लिए उनके अतुलनीय बलिदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर दुलाल भुईयां ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की अमर गाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब देश में शोषित और वंचित समाज के सामने कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था, तब आदिवासी समाज के वीर सपूतों ने अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाई। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों का हनन होता है, वहां संघर्ष और परिवर्तन की शुरुआत प्रतिरोध से ही होती है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और उसे कोई बुझा भी नहीं सकता। यह चिंगारी सदैव समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती रहती है।

बोकारो : बोकारो में भी हूल दिवस पर शहीदों को याद किया गया। चास के आईटीआई मोड़ स्थित सिदो-कान्हू की आदम प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी समेत सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान सभी ने सिदो-कान्हू, फूलो-झानो मुर्मू की वीरता को याद किया। उन्होंने कहा कि उन शहीदों के बताए संदेश को हमें गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। पहले जन-विद्रोह 1857 की क्रांति से 2 साल पहले ही संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ जंग छेड़ दी थी। ये भारत का पहला संगठित विद्रोह माना जाता है। इस विद्रोह के बाद जनता में एक प्रकार का उबाल आया और सभी मोर्चे पर छोटे-छोटे टुकड़ों में विरोध शुरू हो गया। अंग्रेज, जमींदार और महाजन मिलकर आदिवासियों की जमीन हड़प रहे थे।

जंगल में तीन हाथियों के आगमन से ग्रामीणों में दहशत

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अलपीटो और गैयपहाड़ी के जंगल में तीन हाथियों के दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। विदित हो कि मंगलवार अहले सुबह तीन हाथियों का झुंड उक्त जंगल में देखा गया। जिसमें एक हाथी का बच्चा भी शामिल है। वहीं ग्रामीणों ने जब इसकी सूचना फॉरेस्ट विभाग को दी तो वनपाल पंकज कुमार समेत अन्य कर्मी अलपीटो और गैयपहाड़ी के जंगल पहुंचकर मुआयना किया ।वहीं उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि छोटे बच्चों को जामुन, आम तोड़ने या अन्यत्र घर से बाहर खासकर जंगली क्षेत्र में बिल्कुल नहीं भेजे ।आप लोग भी नहीं जायें। कहा कि विभागीय निर्देश जो दिए जा रहे हैं उनका सख्ती से पालन करें ताकि आप सुरक्षित रह सकें। उन्होंने किसानों को भी सचेत रहने की अपील की। कहा कि हाथियों की भागाने वाली टीम बरकट्ठा पहुंच चुकी है और जल्द ही उन्हें खदेड़ जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यदि आपको हाथी दिखे तो जल्द सूचित करें। हाथियों के झुंड में एक बच्चा हाथी भी शामिल है जिसके कारण अन्य दो हाथी उग्र रूप में जंगल में विचरण कर रहे हैं।

पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने की खुदकुशी

खूंटी। खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र अंतर्गत जिलिंगकल हितडीह गांव में घरेलू विवाद में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी के डंडे से मारकर हत्या कर दी। घटना के कुछ समय बाद उसने भी गांव के बाहर एक पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों के अनुसार लुंदा मुंडा (70) और उनकी पत्नी गुरमी मुंडा उर्फ मंगरी मुंडा (65) शुक्रवार को सायको साप्ताहिक हाट गए थे। घर लौटने के बाद रात में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आवेश में आकर लुंदा मुंडा ने कुल्हाड़ी के डंडे से पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कुछ देर बाद लुंदा मुंडा गांव के बाहर गया और एक पेड़ से फंदा लगाकर उसने खुदकुशी कर ली। मृतक का बेटा जो बाहर रहता है।

देवघर की घटना, महिला के पति की भी हो चुकी है हत्या

घर में सो रहे मां-बेटे की हत्या

● पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की

नवीन मेल संवाददात

देवघर। जिले के सोनाराठाड़ी प्रखंड अंतर्गत नावाडीह पंचायत में मंगलवार अहले सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। अज्ञात अपराधियों ने घर में सो रही एक महिला और उसके 14 वर्षीय बेटे की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस के साथ जिले के एसपी प्रवीण पुष्कर भी घटनास्थल पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान रुबिदा खातून और उनके 14 वर्षीय पुत्र मुशर्रफ उर्फ छोटू के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया मामला सुनियोजित हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मौके पर पहुंचे एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि कुछ वर्ष पहले मृतका के पति रियाज अंसारी की भी हत्या हुई थी, जिसमें पांच लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वर्तमान घटना का पुराने हत्याकांड से कोई संबंध है या नहीं। पुलिस इस पहलू की भी गंभीरता से जांच कर रही है और यदि दोनों मामलों के बीच कोई कड़ी मिलती है तो उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, इस दोहरे हत्याकांड के बाद परिजनों में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

विधायक की पहल पर बीमार मासूम को मिला राहत कोष से एक लाख

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला प्रखंड के नयाग्राम निवासी संतोष कुमार मिश्रा, जो सब्जी बेचकर अपने परिवार का गुजारा करते हैं, अपनी चार माह की पुत्री विहा मिश्रा के इलाज के लिए लंबे समय से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। गंभीर बीमारी से जूझ रही मासूम के उपचार में परिवार की पूरी जमा-पूंजी खर्च हो चुकी है, जिसके बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मदद की गुहार लगाई। मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के प्रयासों से विहा मिश्रा के इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। बताया गया कि जन्म के कुछ ही दिनों बाद विहा मिश्रा को मेकोनियम एस्पिरेशन सिंड्रोम और राइट सबड्यूरल हेमाटोमा जैसी गंभीर चिकित्सकीय समस्याएं हो गई थीं।

हत्या मामले में भाजपा नेता से जुड़ा बार सील, जांच के आदेश

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर स्थित चर्चित डबल डाउन (डीडी) बार में हुए बहुचर्चित हत्याकांड के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में प्रशासन ने भाजपा नेता नीरज सिंह और सहमालिक विजय कुमार से जुड़े डबल डाउन (डीडी) बार को सील कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। उपायुक्त राजीव रंजन के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पुलिस बल के साथ बार परिसर पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रतिष्ठान को सील कर दिया। सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर मामले की गंभीरता को देखते हुए एक तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था। इस समिति में एक उत्पाद निरीक्षक (एक्साइज इंस्पेक्टर) और दो उत्पाद अवर निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) शामिल थे।

डीसी-एसपी सहित अन्य अधिकारियों ने सिदो और कान्हू को किया नमन

रामगढ़। रामगढ़ में हुल दिवस के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय परिसर में जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीसी ऋतुराज एवं एसपी मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में हुल क्रांति के अमर वीर शहीद सिद्धो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, फूलो मुर्मू, झानो मुर्मू, चांद मुर्मू एवं भैरव मुर्मू की चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर डीसी ने कहा कि हुल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। सिद्धू-कान्हू सहित हुल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने जल, जंगल और जमीन तथा अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका त्याग, साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि हुल दिवस हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, बलिदान और आदर्शों को स्मरण करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है। जिला प्रशासन उनके योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने हुल क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाहरणालय के वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हूल दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के महिला कॉलेज चाईबासा परिसर में मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर असेका समूह के सहयोग से श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संथाल हूल (1855) के महानायक वीर शहीद सिदो-कान्हू,चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के अद्वितीय साहस,संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उनकी तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएसएस बी.एड.यूनिट की पदाधिकारी डॉ. अर्पित सुमन ने कहा कि हूल दिवस केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष,स्वाभिमान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान हमें अपनी संस्कृति, अधिकारों और मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज के योगदान को गहराई से समझें,ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन महान नायकों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। डॉ.सुचिता बाड़ा ने हूल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में इसके प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं को वीर सिदो-कान्हू के जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

इनरव्हील क्लब ने रचा नया कीर्तिमान

सभी 8 श्रेणियों में प्राप्त किए प्रतिष्ठित पुरस्कार

● नमिता श्रॉफ ने कहा- सदस्यों के विश्वास, सहयोग और निरंतर उत्साहवर्धन ने टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के लिए यह वर्ष अत्यंत गौरवपूर्ण और भावनात्मक रहा। क्लब ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के बल पर वार्षिक सम्मान समारोह में सभी 8 प्रमुख श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। **क्लब को जो सम्मान मिले हैं वे इस प्रकार हैं :** बेस्ट क्लब, बेस्ट फाइल कीपिंग, 5 सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट्स के लिए प्रमाण-पत्र, आउटस्टैंडिंग प्रेसिडेंट_ नमिता श्रॉफ, एफिशिएंट सेक्रेटरी _जनेशा वडेरा, एफिशिएंट ट्रेजरर_मेघा बगारिया , बेस्ट आई.एस.ओ._ निधि चौधरी, बेस्ट एडिटर_ नीरू साहनी शामिल हैं।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर क्लब की अध्यक्षा नमिता श्रॉफ ने कहा कि ये पुरस्कार केवल ट्रॉफियां नहीं हैं, बल्कि पूरे वर्ष सभी सदस्यों द्वारा किए गए अथक परिश्रम, समर्पण, एकजुटता और सेवा भावना का सम्मान हैं। उन्होंने क्लब के प्रत्येक सदस्य का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के विश्वास, सहयोग और निरंतर उत्साहवर्धन ने टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया। यही सामूहिक प्रयास इन ऐतिहासिक उपलब्धियों का आधार बना। नरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ परिवार इस सफलता पर अपने सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता है तथा आशा व्यक्त करता है कि भविष्य में भी इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ समाजहित में कार्य करता रहेगा।

मलकोको में शुरू हुआ ग्रामीण क्रिकेट का महाकुंभ

उद्घाटन मैच में टाइगर धुरंधर विजयी आईपीएल की तर्ज पर हुई प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

बरही। ग्रामीणी प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आईपीएल की तर्ज पर प्रखंड के मलकोको गांव में मलकोको प्रीमियर लीग (एमपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत हुई । जिसका उद्घाटन स्थानीय मुखिया सह बरही मुखिया संघ अध्यक्ष विजय कुमार यादव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया व उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मुखिया ने कहा कि खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। जो अनुशासन और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करती हैं। आयोजन समिति की सराहना करते हुए मुखिया ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। उद्घाटन मैच का मुकाबला टाइगर धुरंधर और बिक्रम इलेवन के बीच खेला गया। रोमांचक मैच में टाइगर धुरंधर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मैच में अंपायरिंग शंकर दास और संतोष राणा ने किया । मौके पर एमपीएल अध्यक्ष शंकर दास, सचिव केदार राणा, कोषाध्यक्ष गुलाब कुमार दास, मीडिया प्रभारी सूरज दास, समाजसेवी छतरू यादव, हाजी जहूर अंसारी, संजय अंसारी, उप मुखिया प्रतिनिधि फिरोज निजामी, दिनेश दास, लक्ष्मण दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ज्ञात हो कि आईपीएल की तर्ज पर हुई इस प्रतियोगिता में कुल पांच टीम हिस्सा ले रही हैं ।

142 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

रामगढ़। जिले के बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में जून माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 142 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर' और "वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस" थीम के तहत मंगलवार को सामूहिक जन्मदिन समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में जीएफ़ए एचएसपीए और हेड ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान विभिन्न विभागाध्यक्ष की उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफ़ए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

समारोह के दौरान केक काटा गया और शुभकामना संदेश दिए गए। साथ ही सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई। मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है।

एसडीबीसीई में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

हजारीबाग। मुकुंदगंज स्थित स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन (एसडीबीसीई) में मंगलवार को "भारतीय ज्ञान परंपरा" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए । जिनका प्रबन्धन द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया । अपने सम्बोधन में विधायक ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा देश की सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और दार्शनिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। इसे नई पीढ़ी और भावी शिक्षकों तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

संगोष्ठी में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व और उसकी समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन और ज्ञान की परंपरा आज भी समाज को नई दिशा देने में सक्षम है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का आधार भी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कॉलेज प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी गई।

कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक मोहम्मद नाज़िर अंसारी, सन्निभा वंदना, प्रधानाचार्य सारिका कुमारी, शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

आर्थिक मजबूती | मनोहरपुर की सरिता नायक बनीं महिला उद्यमिता की नई मिसाल

पत्तल-दोना निर्माण के स्वरोजगार से बनीं सशक्त

● नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के विशेषज्ञों से प्रशिक्षण मिलने के बाद उन्होंने अपने घर से ही उत्पादन शुरू कर दिया

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मनोहरपुर प्रखंड के पाथरबासा गांव की सरिता नायक ने यह साबित कर दिया है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही लाभ, तकनीकी प्रशिक्षण और आत्मविश्वास साथ हो तो ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। कभी दिहाड़ी मजदूरी पर आश्रित रहने वाला उनका परिवार आज पत्तल-दोना निर्माण के स्वरोजगार से आर्थिक रूप से सशक्त हो चुका है। कुछ वर्ष पहले तक सरिता के परिवार की आय बेहद सीमित थी। रोज कमाने और रोज खाने की स्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई, इलाज और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो जाता था। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और स्वरोजगार के अवसर तलाशने का प्रयास जारी रखा। इसी दौरान वन विभाग और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की अभिसरण योजना के तहत उन्हें निःशुल्क पत्तल-दोना निर्माण मशीन उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही मशीन संचालन, उत्पादन तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और विपणन से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया गया। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के विशेषज्ञों से आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण मिलने के बाद उन्होंने अपने घर से ही उत्पादन शुरू कर दिया। शुरुआत में सीमित मात्रा में पत्तल और दोने तैयार किए गए, लेकिन बेहतर गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति के कारण स्थानीय बाजार, किराना दुकानों, होटल, ढाबों और शादी-विवाह जैसे आयोजनों में उनके उत्पादों की मांग लगातार बढ़ने लगी। इससे उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगी। सरिता ने अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़ते हुए उन्हें मशीन संचालन, उत्पादन और पैकेजिंग का प्रशिक्षण दिया। इससे कई महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिला। जेएसएलपीएस और संबंधित अधिकारियों के नियमित मार्गदर्शन से उनका उद्यम लगातार आगे बढ़ रहा है। आज सरिता नायक अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार की जरूरतों को आसानी से पूरा कर रही हैं। उनकी सफलता ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और स्वरोजगार आधारित आत्मनिर्भरता का प्रेरणादायी उदाहरण बन चुकी है।

विचार प्रवाह अनंत परमेश्वर के साथ की प्रेमलीला ही सर्वोच्च है। आपको कल्पना भी नहीं है कि जीवन कितना सुंदर हो सकता है। जब आप अचानक ईश्वर को सर्वत्र पाते हैं, जब वे आपको दर्शन देते हैं और आपसे बातें करते हैं और आपका मार्गदर्शन करते हैं, तब ईश्वरीय प्रेमलीला शुरु हो जाती है। **- स्वामी विवेकानंद जी**

राष्ट्रीय नवीन मेल

नागरिकता पर सवाल व समाधान

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट पर एक पुराने नियम का स्पष्टीकरण क्या दिया सोशल मीडिया वीरों ने मोर्चा खोल दिया और चर्चा में भीड़ कूद पड़ी। पश्चिमी देशों के उलट भारत में राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पैन कार्ड से लेकर हर काम के लिए अलग कार्ड हैं जिसका इस्तेमाल पहचान पत्र की तरह होता रहा है पर घुसपैठियों द्वारा फर्जीवाड़ा कर नागरिकता लेने के जब से मामले उजागर हुए हैं तब से सरकार रोकथाम के लिए नियमों के पालन के साथ चोर दरवाजों को बंद करने का प्रयास कर रही है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किया जाना कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम अथवा निर्णायक प्रमाणपत्र नहीं है, ऐसा ही एक अवसर है। यह कथन विधिक दृष्टि से भले असाधारण न हो, किंतु लोकतांत्रिक मानस में इसने एक स्वाभाविक जिज्ञासा उत्पन्न कर दी है कि यदि पासपोर्ट भी भारतीय होने का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो फिर वह क्या है, जिसके आधार पर भारतीय राज्य अपने नागरिक को पहचानता है और नागरिक स्वयं को भारतीय कहने का नैतिक और वैधानिक आश्वासन प्राप्त करता है?यह प्रश्न आज इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आधुनिक राज्य की सबसे बड़ी शक्ति उसके शस्त्रागार में नहीं, बल्कि उसकी अभिलेखीय स्मृति में निहित होती है। राज्य अपने नागरिकों को पहचानता कैसे है? क्या वह उन्हें उनके जीवन-वृत्त, जन्म, परिवार, सामाजिक उपस्थिति और सार्वजनिक सहभागिता के माध्यम से जानता है, अथवा उनसे समय-समय पर यह अपेक्षा करता है कि वे स्वयं ही अपने अस्तित्व का प्रमाण प्रस्तुत करें? भारतीय संविधान के निर्माताओं ने नागरिकता को केवल प्रशासनिक विषय नहीं माना था। संविधान का भाग-II भारत के लिए नागरिकता प्रावधानों से संबंधित है, जिसके अंतर्गत अनुच्छेद पांच से ग्यारह तक की व्यवस्था वस्तुतः विभाजन की त्रासदी, विस्थापन की पीड़ा और नवोदित गणराज्य की आशाओं के बीच एक राजनीतिक समुदाय के पुनर्निर्माण का दस्तावेज है। संविधान निर्माताओं ने यह समझ लिया था कि भारत की नागरिकता किसी एक रक्तरेखा, भाषा, पंथ या नस्ल पर आधारित नहीं हो सकती। अनुच्छेद 11 के अंतर्गत संसद ने नागरिकता अधिनियम, 1955 बनाया। इस अधिनियम ने नागरिकता अर्जित करने के विभिन्न आधार निर्धारित किए, जैसे-जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीयकरण और क्षेत्रीय विलय। किंतु, स्वतंत्र भारत की विधिक यात्रा का एक रोचक तथ्य यह है कि सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी भारत ऐसा कोई एक दस्तावेज विकसित नहीं कर पाया है, जिसे नागरिकता का सार्वभौमिक और अंतिम प्रमाणपत्र कहा जा सके।यदि हमारे पास पासपोर्ट है, मतदाता पहचान पत्र है, आधार है, पैन है, जन्म प्रमाणपत्र है, विद्यालयी अभिलेख हैं, भूमि के कागजात हैं, परंतु इनमें से कोई भी स्वयं में नागरिकता का अंतिम साक्ष्य नहीं है। इसका अर्थ यह नहीं कि राज्य भ्रमित है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि भारतीय नागरिकता की अवधारणा मूलतः दस्तावेजों के योग से अधिक एक विधिक निष्कर्ष है। किंतु, लोकतांत्रिक दृष्टि से यह स्थिति कुछ प्रश्न भी उत्पन्न करती है। पासपोर्ट सामान्य भारतीय के लिए राज्य की सबसे प्रतिष्ठित स्वीकृतियों में से एक है। उसके निर्गमन से पहले विस्तृत सत्यापन होता है। विदेश में वही दस्तावेज व्यक्ति की भारतीय पहचान का प्रतिनिधित्व करता है। यदि उसके बाद भी नागरिकता का प्रश्न खुला रह सकता है, तो यह आवश्यक हो जाता है कि नागरिकता के प्रमाणन की भारतीय व्यवस्था पर नए सिरे से विचार किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी नागरिकता के प्रश्न को केवल कागजी विवाद नहीं माना है। सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ (2005) मामले में न्यायालय ने अवैध प्रवासन को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती माना। वहीं चकमा समुदाय से जुड़े मामलों में न्यायालय ने राज्य को यह स्मरण कराया कि विधिक प्रक्रिया की कठोरता मानवीय गरिमा के प्रति असंवेदनशील नहीं हो सकती। असम की राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) प्रक्रिया ने हमें यह अनुभव भी कराया कि जब राज्य की अभिलेखीय स्मृति अपूर्ण होती है, तब उसका भार अंततः साधारण नागरिक के कंधों पर आ जाता है। कई लोगों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए दशकों पुराने दस्तावेजों की तलाश करनी पड़ी, जबकि अनेक परिवारों की अलग-अलग पीढ़ियां प्रशासनिक निर्णयों में असंगति के कारण भिन्न-भिन्न निष्कर्षों और कठिनाइयों का सामना करती रहीं। इससे एक मौलिक प्रश्न खड़ा हुआ कि क्या लोकतंत्र का आदर्श नागरिक वह है, जिसे अपने ही देश में अपने अस्तित्व का प्रमाण बार-बार प्रस्तुत करना पड़े? अन्य देशों के अनुभव इस संदर्भ में विचारणीय हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और कनाडा ने नागरिकता की अभिलेखीय संरचना को अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित बनाया है। वहां जन्म पंजीकरण लगभग सार्वभौमिक है और नागरिकता प्रमाणन के औपचारिक साधन उपलब्ध हैं। भारत की परिस्थितियां इन देशों से भिन्न हैं। यहां विशाल जनसंख्या, ऐतिहासिक विस्थापन, सीमावर्ती प्रवासन और सामाजिक विषमताएं प्रशासनिक जटिलताओं को बढ़ाती हैं। किंतु, यही कारण है कि भारत को नागरिकता के प्रश्न पर अधिक संवेदनशील और सुसंगत व्यवस्था विकसित करनी होगी। नागरिकता का प्रश्न दस्तावेजों का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास का है।

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

विशेष गहन पुनरीक्षण से पुश्तैनी जमीन जायदाद से बेदखल करने का डर कितना उचित ?

आज की बात

कृष्णमोहन सिंह

> जब कोई गरीब, मजदूर या हाशिए का नागरिक इन दस्तावेजों को दुरुस्त कराने सरकारी दफ्तरों में जाता है, तो उसे व्यापक नौकरशाही अड़ंगेबाजी, लालफीताशाही और खुलेआम तरह-तरह की मांगों का सामना करना पड़ता है

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने बुनियादी अधिकार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान में देश के 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही इस प्रक्रिया के अंतर्गत अब तक लगभग 6 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। कई अखबारों की हालिया रिपोर्ट और राजनीतिक विश्लेषकों के इनपुट के आधार पर इस अभियान के पीछे छिपे प्रशासनिक अड़ंगों, संस्थागत उदासीनता और संभावित दूरगामी राजनीतिक प्रभावों का एक भयावह खाका उभर कर सामने आ रहा है।

प्रशासनिक जटिलतायें व जमीनी अड़ंगेबाजी

जमीनी हकीकत का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि मतदाता सूची से नाम हटने का मुख्य कारण केवल फर्जीवाड़ा या मृत्यु नहीं है, बल्कि दस्तावेजों को जुटाने में आम जनता को होने वाली भारी मुश्किलें हैं। देश के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में आज भी एक बहुत बड़ी आबादी के पास अपनी नागरिकता या निवास को अकाट्य रूप से सिद्ध करने वाले डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। जब कोई गरीब, मजदूर या हाशिए का नागरिक इन दस्तावेजों को दुरुस्त कराने सरकारी दफ्तरों में जाता है, तो उसे व्यापक नौकरशाही अड़ंगेबाजी, लालफीताशाही और खुलेआम तरह-तरह की मांगों का सामना करना पड़ता है। आधार कार्ड में सुधार, निवास प्रमाण पत्र या जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सैकड़ों रुपये की रिश्वत मांगी जाती है। जो लोग अधिकारियों की इन मांगों को पूरा नहीं कर पाते , उनके दस्तावेज नहीं बनते , जिसके चलते या उसके नहीं होने से समय सीमा के भीतर कागजात पेश नहीं कर पाते, उनके नाम सीधे तौर पर 'अयोग्य' मानकर मतदाता सूची से काट दिए जा रहे हैं। जनता फॉर्म भरने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटती रह जाती है, और वहाँ तकनीकी कमियों का बहाना बनाकर उन्हें टरका दिया जाता है।

वैचारिक चयनात्मकता व संस्थागत रवैया

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक चिंताजनक पहलू "वैचारिक और राजनीतिक चयनात्मकता" का उभरना है। विपक्ष व नागरिक समाज के मंचों का सीधा आरोप है कि चुनाव आयोग के डेटा का उपयोग करके उन क्षेत्रों को लक्षित किया जा रहा है जो पारंपरिक रूप से सत्ता विरोधी या विपक्षी विचारधारा के गढ़ रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बिहार और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले देखने को मिला था। बिहार में चुनाव से ठीक पहले इस प्रक्रिया के तहत अकेले 65 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। विपक्षी दलों ने तब चिल्ला-चिल्ला कर कहा था कि जब चुनाव सिर पर हों, तब ऐसा अभियान चलाना केवल विपक्ष के वोट बैंक को सिकोड़ने की साजिश है।सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्य चुनाव आयुक्त, राज्य चुनाव आयुक्तों और यहाँ तक कि सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचे मामलों में भी संस्थाओं का रवैया वही रहा जो केंद्र सरकार की मंशा थी। निष्पक्षता की उम्मीद की जाने वाली इन संवैधानिक संस्थाओं ने प्रशासनिक फैसलों पर आंखें मूंद लीं, जिससे चुनाव तंत्र की पारदर्शिता पर गहरा प्रश्नचिन्ह लग गया।

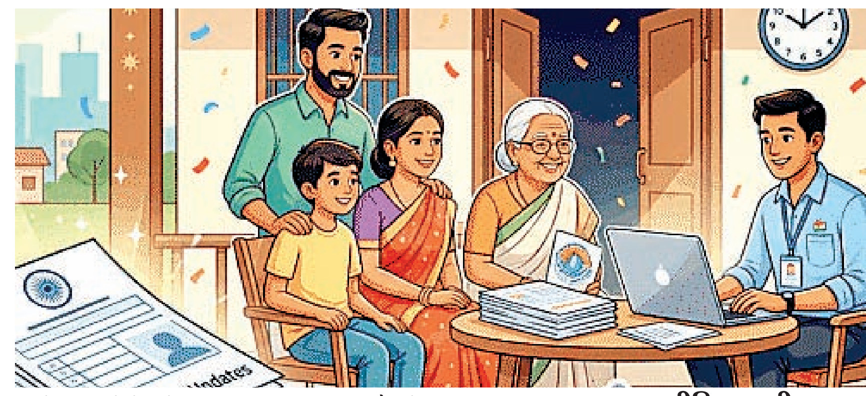

पूरे देश में कितने करोड़ नाम कटेंगे?

यदि हम वर्तमान एसआईआर के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करें, तो वर्तमान में जिन राज्यों में प्रक्रिया पूरी हुई है, वहाँ औसतन 10.2% से लेकर 11% तक मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया है। यदि इसी प्रतिशत (लगभग 10.5%) को पूरे देश की लगभग 145 करोड़ की आबादी में से अनुमानित 100 करोड़ की कुल मतदाता आबादी पर लागू किया जाए, तो यह आंकड़ा बेहद चौंकाने वाला हो जाता है। इसका सीधा मतलब है कि पूरे भारत में 11 करोड़ से लेकर 11.5 करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे और वे 2029 में वोट नहीं दे पाएंगे।

2029 का राजनीतिक समीकरण

भारतीय चुनाव प्रणाली 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' (यानी जिसे एक भी वोट ज्यादा मिले वही विजेता) पर आधारित है, जहां जीत-हार का अंतर अक्सर मात्र 2 से 4 प्रतिशत वोटों का होता है। ऐसे में यदि विपक्ष के 10 प्रतिशत पारंपरिक वोट-जिनमें गरीब, अल्पसंख्यक और वैचारिक विरोधी शामिल हैं-पहले ही सूची से गायब हो जाए , कम हो जाएं, तो 2029 के लोकसभा चुनाव और उसी के साथ प्रस्तावित देश के आधे राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए रास्ता बिल्कुल साफ हो जाएगा। यह राजनीतिक इंजीनियरिंग भाजपा को केंद्र और राज्यों दोनों में ही एक ऐसा प्रचंड और एकतरफा बहुमत (बंदर बहुमत) दिला सकती है, जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। सीटों का यह भारी असंतुलन विपक्ष को संसद और विधानसभाओं में पूरी तरह अप्रासंगिक और शून्य बना देगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विपक्ष लगभग विहीन संसद अस्तित्व में आती है, तो भारत का ढांचा लोकतांत्रिक से बदलकर 'एक दलीय' या 'नियंत्रित लोकतंत्र' जैसा हो जाएगा। यह स्थिति काफी हद तक रूस व चीन के राजनीतिक तंत्र से मेल खाएगी, जहां औपचारिकता के लिए चुनाव तो होते हैं, लेकिन सत्ता परिवर्तन की कोई वास्तविक गुंजाइश नहीं बचती। इसके अलावा, मतदाता सूची से कटे इन लोगों को सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (जैसे मुफ्त राशन, आवास) से भी बाहर होने का डर होने लगा है, जो इन्हें पूरी तरह नागरिकता विहीन और बेबस बना देगी। और नागरिकता विहित होने का आधार बनाकर अपनी पुश्तैनी जमीन जायदाद से भी बेदखल होने का डर होने लगा है।

मतदाता सूची से गायब होते नाम: एक सांख्यिकीय नजरिया (सिंपल चार्ट)

1. **अब तक 19 राज्यों में काटे गए नाम (SIR प्रक्रिया):** [ ] **6.0 करोड़** (वर्तमान डेटा)
2. **बिहार में चुनाव से ठीक पहले कटे नाम:** [ ] **0.65 करोड़** (65 लाख नाम)
3. **अखिल भारतीय अनुमानित नाम (यदि 10.5% की दर से कटे):** [ ] **11.5 करोड़** (संभावित मतदाता बाहर)

सेमीकंडक्टर : आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला

अलग बात

सत्येंद्र प्रताप सिंह

डिजिटल युग में सेमीकंडक्टर केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि किसी भी देश की तकनीकी क्षमता, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार बन चुके हैं। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), 5जी संचार, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रणालियां, अंतरिक्ष कार्यक्रम और आधुनिक चिकित्सा उपकरण-इन सभी की धड़कन सेमीकंडक्टर चिप्स हैं। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि तकनीकी संप्रभुता की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीतिक पहल है। लंबे समय तक भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में डिजाइन प्रतिभा का प्रमुख केंद्र तो रहा, लेकिन चिप निर्माण के लिए उसे लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर रहना पड़ा। कोविड-19 के दौरान उत्पन्न वैश्विक चिप संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि किसी देश के पास अपनी निर्माण क्षमता नहीं है तो उसकी उत्पादन व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत की। मिशन का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल चिप निर्माण नहीं, बल्कि पूरी सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का विकास करना है। इसमें सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन, चिप डिजाइन, आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट, असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एवं पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर और आवश्यक कंपोनेंट्स का घरेलू उत्पादन शामिल है। सरकार के अनुसार अब तक 1.64 लाख करोड़ से अधिक निवेश वाली कई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है, जो भारत के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी पहलों में गिनी जा रही हैं। इन परियोजनाओं में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि गुजरात में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की इकाई में व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत है। इसके अलावा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, पीएसएमसी और केन्स सेमीकॉन की परियोजनाएं निर्माण के उन्नत चरण में हैं। गुजरात के धोलेरा में विकसित हो रही टाटा-पीएसएमसी परियोजना से देश की पहली सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन सुविधा स्थापित होने की उम्मीद है। गुजरात और राजस्थान में स्वीकृत नई परियोजनाएं यह भी दर्शाती हैं कि सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार करना चाहती है। मिशन का एक महत्वपूर्ण पक्ष डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना भी है। भारत पहले से ही चिप डिजाइन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत प्रतिभा रखता है। इस योजना के माध्यम से अनेक डिजाइन परियोजनाओं को सहायता दी गई है, जिनके परिणामस्वरूप सफल टेप-आउट, पेटेंट आवेदन और फैब्रिकेटेड चिप्स विकसित हुए हैं। साथ ही 1,000 से अधिक विशेष प्रशिक्षित इंजीनियरों को तैयार किया गया है, जो भविष्य में इस उद्योग की रीढ़ बन सकते हैं। सरकार ने केवल चिप निर्माण तक स्वयं को सीमित नहीं रखा है। उत्तर प्रदेश के जेवर में 6,750 करोड़ की लागत से एडवांस्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड निर्माण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। यहां 20 से 22 लेयर तक के हाई-डेंसिटी मल्टी-लेयर पीसीबी बनाए जाएंगे। भारत वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग 40,000 करोड़ मूल्य के ऐसे कंपोनेंट्स का आयात करता है। घरेलू उत्पादन शुरू होने से आयात पर निर्भरता कम होगी और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई गति मिलेगी। अब सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की घोषणा भी कर दी है, जिसके लिए केंद्रीय बजट 2026-27 में अलग से प्रावधान किया गया है। यदि मिशन 1.0 का लक्ष्य निर्माण क्षमता विकसित करना था, तो मिशन 2.0 का उद्देश्य उससे आगे बढ़कर सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरण, विशेष रसायन एवं सामग्री, उन्नत पैकेजिंग तकनीक, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, स्वदेशी बौद्धिक संपदा (आईपी), अनुसंधान तथा कौशल विकास को मजबूत करना है। यह भारत को केवल विनिर्माण केंद्र ही नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका, ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान की अग्रणी कंपनियों के साथ भारत का बढ़ता सहयोग भी इस अभियान को नई गति दे रहा है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

डॉक्टर राष्ट्र को सशक्त बनाने में दे रहे योगदान

संजय सर्राफ

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस,राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिवस देश के महानचिकित्सक, प्रख्यात शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी तथा पश्चिम बंगाल के द्वितीय मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। संयोगवश उनका जन्म और निधन दोनों ही 1 जुलाई को हुआ था। वर्ष 1991 में भारत सरकार ने उनके अतुलनीय योगदान के सम्मान में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य समाज में चिकित्सकों के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। डॉक्टर केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी करते हैं। रोगी की पीड़ा को अपना कर्तव्य मानकर दिन-रात सेवा करना, संकट की घड़ी में जीवन बचाने का प्रयास करना तथा चिकित्सा विज्ञान के माध्यम से मानवता की रक्षा करना डॉक्टरों की सबसे बड़ी पहचान है। चिकित्सक दिवस हमें यह संदेश देता है कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक हैं। विशेषकर कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में डॉक्टरों ने अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की चिंता किए बिना लाखों लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी निस्वार्थ सेवा ने पूरे समाज को यह एहसास कराया कि चिकित्सक वास्तव में धरती पर ईश्वर का दूसरा रूप हैं। इस अवसर पर देशभर के अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान समारोह, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, संगोष्ठियाँ और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाता है तथा आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया जाता है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का महत्व केवल डॉक्टरों का सम्मान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास, सहयोग और संवेदनशीलता को मजबूत करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

दु:ख या समस्याएं आपके कर्म

श्री श्री परमहंस योगानंद

पिछले गलत कर्मों के बुरे प्रभाव को आप वर्तमान में सही कर्मों को गतिशील करके, उनके अच्छे प्रभावों से प्रभावहीन कर सकते हैं, और इस प्रकार अपने बुरे कर्मों के फलीभूत होने के लिए अनुकूल वातावरण बनने को रोक सकते हैं। जब आप स्वयं को ईश्वर की सन्तान के रूप में पहचान लेते हैं, तब आपका कौन-सा कर्म रह जाता है? ईश्वर का कोई कर्म नहीं है। और जब आप यह जान लेते हैं कि आप उनकी सन्तान हैं, तो आपका भी कोई कर्म नहीं रहता। प्रतिदिन आपको यह प्रतिज्ञापन करना चाहिए, "मैं नश्वर प्राणी नहीं हूं; मैं शरीर नहीं हूं। मैं ईश्वर की सन्तान हूं।" यही ईश्वर की उपस्थिति का अभ्यास है। ईश्वर कर्मों से मुक्त हैं। आपका सृजन उनके प्रतिबिम्ब में हुआ है। आप भी कर्मों से मुक्त हैं। किसी को आपसे यह कहने की अनुमति न दें कि आपके दुःख या समस्याएं आपके कर्म हैं। आप (आत्मा) का कोई कर्म नहीं है। आदि शंकराचार्य ने कहा थाः "मैं ब्रह्म के साथ एक हूं; मैं 'वह' हूं।" यदि आप इस सत्य का अनुभव कर लें, तो आप एक देवता हैं। परन्तु यदि आप मानसिक प्रतिज्ञापन करते रहें, "मैं देवता हूं" और मन की पृष्ठभूमि में यह सोचते रहें, "परन्तु ऐसा लगता है कि मैं एक नश्वर प्राणी हूं", तो आप एक नश्वर प्राणी ही हैं। यदि आप जान लें कि आप देवता हैं तो आप मुक्त हैं। "क्या तुम नहीं जानते कि तुम ईश्वर का मन्दिर हो, और ईश्वर की आत्मा तुममें वास करती है। यदि आप ध्यान के द्वारा अपने मन को शुद्ध एवं विस्तारित कर सकें, तथा ईश्वर को अपनी चेतना में ला सकें, तो आप भी रोग, सीमाओं और मृत्यु के भ्रम से मुक्त हो जाएंगे।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

आज का दोहा

सुर जैसे, वैसे रहे, ना बदला अंदाज।
ताज बदलते ही गया, बदल वहां हर राज।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

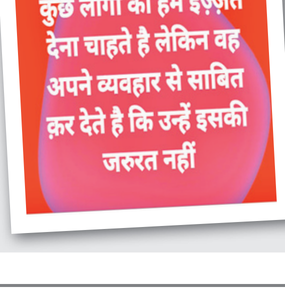

डिजिटल भारत में वरिष्ठ नागरिकों की चुनौतियां

देश की बात

डॉ दीपक प्रसाद

भारत आज तीव्र गति से डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। सरकारी सेवाओं से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, परिवहन और सामाजिक संवाद तक लगभग हर क्षेत्र डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होता जा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को नई दिशा दी है और करोड़ों लोगों के जीवन को सरल बनाया है। लेकिन इस परिवर्तन का एक ऐसा पक्ष भी है जिस पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा नहीं होती, वह है वरिष्ठ नागरिकों की स्थिति। जिस समाज ने अपने बुजुर्गों के अनुभव, संस्कार और त्याग के आधार पर विकास की यात्रा तय की, उसी समाज में आज अनेक वरिष्ठ नागरिक स्वयं को डिजिटल व्यवस्था के सामने असहाय अनुभव कर रहे हैं। तकनीक की तेज गति के साथ उनका कदम मिलाना आसान नहीं है। परिणामस्वरूप वे कई बार आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से उपेक्षा का शिकार हो जाते हैं। आज का युवा वर्ग स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया को सहज रूप से अपनाता है। दूसरी ओर अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों का जीवन उस दौर में विकसित हुआ, जब पत्र, बैंक पासबुक, नकद लेन-देन और व्यक्तिगत संवाद सामान्य जीवन का हिस्सा थे। अचानक डिजिटल व्यवस्था ने उनकी जीवनशैली बदल दी। अब बिजली का बिल जमा करना हो, गैस बुक करनी हो, अस्पताल में पंजीकरण कराना हो, रेल टिकट लेना हो या बैंक का कार्य करना हो, लगभग हर जगह डिजिटल प्रक्रिया आवश्यक होती जा रही है। ऐसे में अनेक बुजुर्ग स्वयं को व्यवस्था से कटता हुआ महसूस करते हैं। आज साक्षर होना ही पर्याप्त नहीं है; डिजिटल साक्षर होना भी उतना ही आवश्यक हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक वरिष्ठ नागरिक तो स्मार्टफोन चलाना भी ठीक से नहीं जानते। शहरी क्षेत्रों में भी अनेक बुजुर्ग मोबाइल का सीमित उपयोग कर पाते हैं। ओटीपी, यूपीआई, क्यूआर कोड, ई-केवाईसी, पासवर्ड और मोबाइल एप्लीकेशन जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए जटिल बन जाती हैं। इस कारण वे अपने ही बच्चों, पड़ोसियों या साइबर कैफे पर निर्भर हो जाते हैं। यह निर्भरता कई बार डिजिटल युग की सबसे बड़ी चुनौतियों में साइबर अपराध शामिल है। वरिष्ठ नागरिक अक्सर साइबर ठगों का आसान लक्ष्य बन जाते हैं। फर्जी बैंक कॉल, केवाईसी अपडेट, इनाम का लालच, नकली निवेश योजनाएं, सोशल मीडिया हैकिंग और ओटीपी साझा कराने जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। तकनीकी जानकारी के अभाव में कई बुजुर्ग अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी खो बैठते हैं। आर्थिक नुकसान के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी टूट जाता है। डिजिटल अकेलापन एक ऐसी बीमारी हो गई है जिसमें तकनीक ने लोगों को जोड़ा भी है और दूर भी किया है। एक समय था जब परिवार साथ बैठकर बातचीत करता था। आज अनेक घरों में हर व्यक्ति अपने मोबाइल में व्यस्त है। बुजुर्ग परिवार के बीच रहकर भी अकेले हो जाते हैं। बच्चों और पोते-पोतियों के पास समय कम है। बातचीत की जगह संदेशों ने ले ली है। भावनात्मक संवाद घटता जा रहा है। परिणामस्वरूप अनेक वरिष्ठ नागरिक अवसाद, अकेलेपन और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। सरकार ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया है, जो पारदर्शिता और सुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। किंतु यदि कोई वरिष्ठ नागरिक इन सेवाओं का उपयोग ही न कर पाए तो उसके लिए यह सुविधा एक चुनौती बन जाती है। पेंशन, स्वास्थ्य योजनाएं, पहचान संबंधी सेवाएँ, बैंकिंग, बीमा और अन्य सरकारी लाभ प्राप्त करने में डिजिटल जानकारी का अभाव उनके लिए अतिरिक्त कठिनाई उत्पन्न करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता पर प्रभाव डालता है। आज बैंक शाखाओं में भी डिजिटल लेन-देन को प्राथमिकता दी जा रही है। नकद लेन-देन और काउंटर सेवाएँ सीमित होती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में वरिष्ठ नागरिकों को छोटी-छोटी बैंकिंग सेवाओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना पड़ता है। इससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित होती है। श्रस्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौती भी काम नहीं है। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, ई-प्रिस्क्रिप्शन, टेलीमेडिसिन और डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएँ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन जिन बुजुर्गों को मोबाइल एप चलाना नहीं आता, उनके लिए डॉक्टर तक पहुँचना भी कठिन हो जाता है। यहां पर परिवार की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। डिजिटल भारत तभी सफल होगा जब उसके विकास में वरिष्ठ नागरिक भी समान भागीदार बनेंगे। परिवारों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता और दादा-दादी को धैर्यपूर्वक डिजिटल तकनीक सिखाएं। उन्हें यह महसूस न होने दें कि वे बोझ हैं। बुजुर्गों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें उसका सुरक्षित उपयोग भी सिखाना आवश्यक है। समाज की भूमिका भी बनती है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

हूल दिवस

पीएम ने सिदो-कान्हू सहित जनजातीय वीरांगनाओं को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हूल दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित सभी जनजातीय वीर-वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले हमारे आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास के इस गौरवशाली अवसर पर वह सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे उन सभी वीर-वीरांगनाओं को आदरपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने विदेशी शासन के अन्याय का डटकर मुकाबला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय गरिमा और मान-सम्मान की रक्षा के लिए इन वीरों का संघर्ष और बलिदान की कहानी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि हूल दिवस प्रत्येक वर्ष 30 जून को 1855 के संथाल हूल (विद्रोह) की स्मृति में मनाया जाता है। झारखंड के भोगनाडीह (वर्तमान साहिबगंज जिला) से सिदो मुर्मु और कान्हू मुर्मु के नेतृत्व में शुरू हुए इस ऐतिहासिक जनविद्रोह में चांद मुर्मु, भैरव मुर्मु तथा वीरांगनाओं फूलो और झानो ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हूल दिवस पर अमित शाह, समेत कई नेताओं ने संथाल क्रांति के वीरों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। 'हूल दिवस' के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं ने संथाल हूल (संथाल विद्रोह) के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, त्याग और देशभक्ति को नमन किया। नेताओं ने इस ऐतिहासिक जनआंदोलन को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण अध्याय बताया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, "जनजातीय अस्मिता और मातृभूमि के लिए संथाल क्रांति में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी बलिदानियों को 'हूल दिवस' के अवसर पर स्मरण कर नमन करता हूँ। जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने 'हूल दिवस' पर वीरों को किया नमन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर भारत की स्वतंत्रता, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक न्याय के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर कहा, ""हूल दिवस' के अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो तथा संथाल विद्रोह के सभी अमर वीर-वीरांगनाओं के त्याग और बलिदान को सादर नमन करती हूं। जनजातीय समाज के शोषण के विरुद्ध तथा उनकी अस्मिता की रक्षा के लिए उन्होंने ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका शौर्य, त्याग और बलिदान सभी देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।" बिरला ने कहा कि आज के दिन महान क्रांतिकारी सिदो और कान्हू के नेतृत्व में ऐतिहासिक संथाल हूल के उन हजारों वीर आदिवासी स्त्री-पुरुषों को नमन, जिन्होंने औपनिवेशिक शासन, शोषण और अन्याय के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष का बिगुल फूंका।

जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए लड़ा गया यह एक महान जनआंदोलन था। इस जनक्रांति ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा प्रदान की और कागे चलकर अनेक आंदोलनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। उन अमर हुतात्माओं का शौर्य, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संथाल हूल दिवस जनजातीय समुदाय द्वारा आजादी के लिये किये गये संघर्ष का प्रतीक है। आज का दिन उन महान देशभक्तों को स्मरण करने का दिन है जिन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध लड़ते हुए अपना संपूर्ण जीवन बलिदान कर दिया।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सौंपी कमान

एजेंसी। नई दिल्ली

12 लाख सैनिकों वाली भारतीय थलसेना को नया सेना प्रमुख मिल गया है। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को सेना के प्रमुख (आर्मी चीफ) का पदभार संभाल लिया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक आधिकारिक समारोह में उन्होंने सेना की कमान जनरल धीरज सेठ को सौंपी। इससे पहले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद साउथ ब्लॉक के लॉन में उन्हें औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर विदाई दी गई। इस मौके पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज मैं भारतीय सेना की कमान जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक सक्षम और अनुभवी सैन्य नेतृत्वकर्ता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, उच्च पेशेवर मानकों और अटूट संकल्प के साथ नई ऊंचाइयों को छुएगी। मुझे भरोसा है कि भारतीय सेना अपनी परंपराओं से जुड़ी रहेगी, वर्तमान चुनौतियों के प्रति सतर्क रहेगी और भविष्य की हर परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहेगी। जनरल धीरज सेठ इससे पहले वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने 1 अप्रैल 2026 को सेना के वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पदभार ग्रहण किया था। करीब 28 सालों के बाद भारतीय सेना को आर्मर्ड कोर से सेना प्रमुख मिला है। इससे पहले वर्ष 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी सेना प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे। जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खड़कवासला) के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था।

सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली। जनरल धीरज सेठ भारतीय थल सेना के नए सेना प्रमुख हो गए हैं। उन्होंने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की सेवानिवृत्ति पर यह पद ग्रहण किया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी के पास ऐसे समय पर भारतीय थल सेना की कमान रही, जब देश ने ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को अपनी ताकत दिखाई। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ड्रोन तकनीक व एआई जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भारतीय सेना को भविष्य के लिए सक्षम बनाने के सार्थक प्रयास किए। अपनी सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम सैन्य लीडर हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, पेशेवर उत्कृष्टता और दृढ़ संकल्प को बनाए रखते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। आज जब मैं यह दायित्व उन्हें सौंप रहा हूं, तब मुझे भारतीय सेना के भविष्य पर पूरा भरोसा है। भारतीय सेना अपनी समृद्ध परंपराओं से जुड़ी रहेगी, वर्तमान चुनौतियों के प्रति सतर्क रहेगी और भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहेगी।" जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज जब मेरा चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ पद का उत्तरदायित्व पूर्ण हो रहा है, तो मेरे मन में गहन आभार, कृतज्ञता, गर्व और संतोष की भावना है। सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय रहा है। चार दशक से अधिक समय भारतीय सेना में सेवारत रहना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। भारतीय सेना अपने सैनिकों, कमांडरों, पूर्व सैनिकों, परिवारजनों और देशवासियों के अटूट विश्वास से शक्ति प्राप्त करती है।

कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया, सिर्फ तुष्टिकरण को दिया महत्व : नितिन नवीन

एजेंसी। हैदराबाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को तेलंगाना राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इसके साथ ही कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण की राजनीति सबसे अहम रही है, इसलिए कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया। नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "भाजपा का विशाल वटवृक्ष आप देख रहे हैं, ये हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है। 1980 में स्थापित भाजपा को 1984 के चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिली थीं। आज यह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसका श्रेय भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को जाता है, जो सबसे निचले स्तर पर काम करते हुए कमल खिलाने का संकल्प पूरा करते हैं।"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', पंडित दीनदयाल उपाध्याय के "अंत्योदय" और अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के भाव को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधुनिक भारत के निर्माण में लगे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में विकास की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को पूरा किया गया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत का तिरंगा लहराता रहे, इस संकल्प को पूरा किया गया।"नितिन नवीन ने कहा, मैं यहां उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से आने वाले वर्षों में और अधिक संघर्ष करने का आह्वान करने आया हूं। 2047 तक विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को अपना पुरुषार्थ करना होगा। समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को पिछले 12 वर्षों में पूरा किया गया है। इन 12 वर्षों में हमारी सरकार के किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लग पाया है। यही एक स्वच्छ और ईमानदार भाजपा सरकार की पहचान है।

आसाराम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को जारी किया नोटिस, दो हफ्ते में मांगा जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। यह याचिका राजस्थान हाईकोर्ट के 27 मई के उस फैसले को चुनौती देती है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा गया था। हालांकि हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कुछ सह-आरोपियों को बरी कर दिया था और गैंगरेप तथा पॉक्सो एक्ट के कुछ प्रावधानों से आसाराम को भी राहत दी थी लेकिन नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्धि को कायम रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू शामिल हैं, उन्होंने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अभी जमानत पर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। पीठ ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि पहले राज्य सरकार का पक्ष सुना जाएगा और उसके बाद ही आगे विचार किया जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत के मामलों में यह देखा जाता है कि क्या कोई गंभीर आवश्यकता है, जैसे जीवन पर खतरा आदि। राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार 25 अप्रैल 2018 को आसाराम को अपने आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के यौन शोषण के मामले में दोषी ठहराया गया था।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में जांच निष्पक्ष, दोषी पर होगी कार्रवाई : ओपी राजभर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने राम मंदिर चंदा विवाद पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बीएसपी प्रमुख मायावती के बयान, यूपी चुनाव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान समेत कई मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगे। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर चंदा मामले की एसआईटी जांच निष्पक्ष तरीके से चल रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव कभी राम मंदिर नहीं गए। मंदिर से जुड़े जिस प्रकरण की बात सामने आई, उसमें ट्रस्ट ने स्वयं सरकार से जांच कराने का आग्रह किया था।

रिटायरमेंट के दिन केरल के मुख्य सचिव पर आईएएस अधिकारी का तीखा हमला

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्य सचिव ए. जयतिलक के मंगलवार को तीन दशक से अधिक लंबे प्रशासनिक करियर के बाद सेवानिवृत्त होने के दिन ही वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एन. प्रशांत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी। एन. प्रशांत ने अपने पोस्ट में कहीं भी जयतिलक का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी तस्वीर के साथ "धर्मो रक्षति रक्षितः" शीर्षक से एक लंबा लेख साझा किया। पोस्ट का समय और तस्वीर देखकर नौकरशाही से जुड़े लोगों ने इसे सीधे तौर पर सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य सचिव पर निशाना माना। मुख्य सचिव के सम्मान में सचिवालय के दरबार हॉल में आयोजित विदाई समारोह से कुछ घंटे पहले किए गए इस पोस्ट ने पूरे दिन प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना रहा। अपने लेख में प्रशांत ने कहा कि सत्ता और पद हमेशा स्थायी नहीं होते। उन्होंने लिखा कि लंबे समय तक ऊंचे पदों पर रहने वाले अधिकारी अक्सर इस भ्रम में आ जाते हैं कि उनका प्रभाव कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन समय अंततः सब कुछ बदल देता है।

जागरूकता सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, समाज के हर वर्ग को सहयोग करना होगा

सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गडकरी

● सड़क हादसों से देश को जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत नुकसान होता है

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए जा रहे हैं। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें होती हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। गडकरी ने यहां मंगलवार को उबर के एक कार्यक्रम में कहा अब सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को पुलिस या कानूनी झंझटों में नहीं उलझना पड़ेगा। मदद करने वाले व्यक्ति को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति का किसी भी अस्पताल में इलाज कराने पर डेढ़ लाख रुपये तक का खर्च सरकार वहन करेगी।

उन्होंने कहा कि देश में हर साल औसतन पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और करीब 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। इन हादसों से देश की जीडीपी का लगभग तीन फीसदी नुकसान होता है। इन दुर्घटनाओं में 66 फीसदी पीड़ित 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के होते हैं। सड़क दुर्घटनाएं न केवल जान लेती हैं बल्कि कई लोगों को स्थायी रूप से अपंग बना देती हैं। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के चार अहम हिस्से सड़क इंजीनियरिंग, वाहन इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और जन जागरूकता हैं। इनमें सड़क इंजीनियरिंग सबसे महत्वपूर्ण है। इसके तहत देशभर की सड़कों के ब्लैक स्पॉट और पहाड़ी इलाकों के भूस्खलन वाले हिस्सों की पहचान की गई है। इन ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अंडरपास और अन्य ढांचागत निर्माण अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए वाहनों की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों को भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। प्रवर्तन के तहत यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, जनजागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि लोग सड़क पर जिम्मेदारी से व्यवहार करें। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग करना होगा। जागरूकता और जिम्मेदारी से ही सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

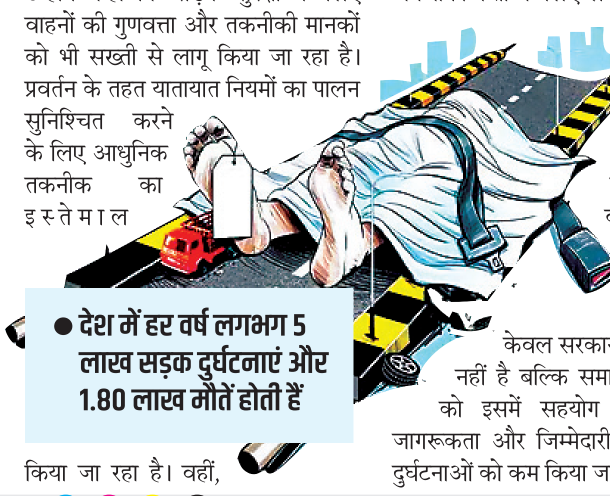

● देश में हर वर्ष लगभग 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं और 1.80 लाख मौतें होती हैं

दृष्टिपात

सिया गोयल के वकील ने भाई साहिल को भेजा 10 करोड़ का मानहानि का नोटिस

पुणे। केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब एक नया कानूनी विवाद सामने आया है। आरोपी सिया गोयल का वकील बताने वाले एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने सिया के भाई साहिल गोयल को 10 करोड़ रुपए की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि साहिल गोयल ने मीडिया के सामने उनके खिलाफ झूठे, भ्रामक और मानहानिकारक बयान दिए, जिससे उनकी पेशेवर छवि और प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा। कानूनी नोटिस में एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि सिया गोयल ने विधिवत वकालतनामा (अथॉरिटी लेटर) पर हस्ताक्षर कर उन्हें अपना कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त किया था। यह नियुक्ति किसी मौखिक दावे, मीडिया प्रचार या बिना अधिकार के नहीं हुई, बल्कि एक बालिग आरोपी द्वारा अपनी इच्छा से दी गई कानूनी अनुमति के आधार पर हुई है।नोटिस के मुताबिक, मूल हस्ताक्षरित वकालतनामा सक्षम अदालत में पहले ही दाखिल किया जा चुका है और जरूरत पड़ने पर संबंधित मंच या अदालत के सामने अन्य मूल दस्तावेज भी पेश किए जाएंगे।नोटिस में दावा किया गया कि एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव का वकालतनामा वडगांव मावल कोर्ट ने स्वीकार कर रिकॉर्ड पर भी ले लिया है। इसके बावजूद साहिल गोयल ने कानूनी दस्तावेजों की जांच किए बिना और वकील से कोई बातचीत किए बिना सार्वजनिक रूप से उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए।

भगवान राम पर सवाल उठाने वाले आज बन रहे राम भक्त : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने अयोध्या में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को नजरबंद किए जाने, सबरीमाला सोना गबन मामले में केरल हाईकोर्ट के फैसले सहित कई मामलों पर प्रतिक्रिया दी। आईएएनएस से बातचीत करते हुए अजय राय को लेकर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर टिप्पणी करने वाले लोग सवाल और बवाल कर रहे हैं। उनकी इस हरकत से आश्चर्य हो रहा है। ये लोग भगवान श्री राम के जन्म को लेकर सवाल उठाते थे। आज वे बड़े राम भक्त बनकर चढ़ावे पर सवाल कर रहे हैं। इस मामले में कानून अपना काम कर रहा है। दूध का दूध और पानी का पानी किया जाएगा। उनकी चिंता से पूरी दाल काली लग रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सोच में ही खोट दिखाई पड़ रहा है। केरल हाईकोर्ट के फैसले पर उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर कानून अपना काम करता है। मेरा मानना है कि कानून अपना काम करे, यह बिल्कुल ठीक है, लेकिन आस्था से जुड़े मामलों में अधार्मिक लोग अपनी टांग अड़ाने की कोशिश न करें, यह ठीक नहीं है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग को लेकर लिखे गए पत्र पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि परिवार तंत्र के पिटे हुए पराक्रमियों का ये जो पंचरंगी प्रोग्राम है, यह समय-समय पर दिखाई पड़ता है। इनकी पंचरंगी प्रोग्राम जनता के बीच आने से पहले ही पिट जाता है, क्योंकि इनके पास न तो सैद्धांतिक प्रतिबद्धता है, न तो विचारधारा को लेकर प्रतिबद्धता है, न कोई नीति है और न कोई कार्यक्रम है।

ट्रांसजेंडर का भेष बनाकर ग्राहकों को लुभाते थे दो बांग्लादेशी नागरिक, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर-पश्चिम जिले की विदेशी शाखा ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक ऐसा व्यक्ति भी है, जिसे पहले भारत से डिपोर्ट किया जा चुका था, लेकिन वह फिर भारत आ गया था और अवैध रूप से दोबारा दिल्ली में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद रूहुल अमीन उर्फ तुली दास (25) के रूप में हुई है। वह जून 2025 में भी विदेशी शाखा की कार्रवाई में पकड़ा गया था और बाद में बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया था। इसके बावजूद वह दोबारा अवैध तरीके से भारत में दाखिल हो गया और महेंद्र पार्क इलाके में रह रहा था। दूसरे आरोपी की पहचान मोहम्मद जिबोन मिया उर्फ लिली (36) के रूप में हुई है, जो एक रसोइए के रूप में काम कर रहा था। विदेशी शाखा को जिले में सक्रिय बांग्लादेशी नागरिकों के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। पूछताछ में दोनों के पास भारत में रहने या काम करने से संबंधित कोई वैध यात्रा दस्तावेज नहीं मिले।

राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा ईरान : राष्ट्रपति पेजेश्कियन

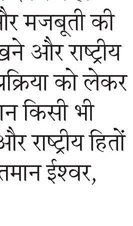

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर कहा है कि ईरान अपने लोगों के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में "पीछे नहीं हटेगा।" उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ बातचीत शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे में ही सम्पन्न हुई।समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, उन्होंने कहा कि तेहरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगाए गए "दुश्मनों के थोपे गए" किसी भी मांग को न तो स्वीकार किया है और न ही करेगा। कॉम स्थित एक मदरसे में विद्वानों के साथ विस्तृत बैठक के दौरान पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि सरकार ने बातचीत के सभी चरणों में सम्मान और मजबूती की स्थिति से ईरानी जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास किया। बातचीत की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा, "इस्लामी गणराज्य ईरान किसी भी परिस्थिति में लोगों के अधिकारों, मूलभूत सिद्धांतों और राष्ट्रीय हितों से पीछे नहीं हटेगा। देश की मुख्य निर्भरता सर्वशक्तिमान ईश्वर, जनता और शासन के नेतृत्व पर है।

अफगानिस्तान के खतरनाक पूर्वी प्रांतों में बारूदी सुरंगें हटाएगी तालिबान सरकार

काबुल। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने सोमवार देर रात एक बड़े बारूदी सुरंग हटाने वाले संगठन के साथ संयुक्त सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इसका मकसद लैंडमाइन और बिना फटे ऑर्डनेंस के लगातार खतरे से निपटना है। प्राधिकरण द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सौदे के तहत, खनन संगठन पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और नूरिस्तान के कई जिलों में लगभग 1.88 मिलियन वर्ग मीटर तक की भूमि को साफ करेगा।न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया है कि इस पहल में उपर्युक्त प्रांतों में तेजी से आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना और प्रभावित समुदायों में 36,680 निवासियों को खदान जोखिम शिक्षा कार्यक्रमों की डिलीवरी भी शामिल है।एक बार यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से लागू हो जाने के बाद, लगभग 215,000 लोगों को इसके नतीजों से लाभ मिलेगा। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा लैंडमाइन से प्रभावित देशों में से एक है। यहां पिछले दशकों में युद्धों से बचे हुए एक्सप्लोसिव डिवाइस के धमाकों के कारण हर महीने दर्जनों लोग, ज्यादातर बच्चे, मारे जाते हैं या अपाहिज हो जाते हैं। दो बिना फटे डिवाइस के फटने से एक बच्चे की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अमरनाथ यात्रा होगी हाईटेक, एजेंसियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होने जा रही है। ऐसे में इस यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था इस बार पूरी तरह हाईटेक बनाई गई है। जम्मू में स्थापित अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को यात्रा सुरक्षा का केंद्रीय सेंटर बनाया गया है। यहां से यात्रा मार्ग, बेस कैंप, संवेदनशील इलाकों और सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे डिजिटल निगरानी रखी जाएगी। यात्रा के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की लाइव फीड एकीकृत की गई है। हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स, फेस रिकग्निशन तकनीक, ड्रोन निगरानी और जी.पी.एस. आधारित ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए यात्रा मार्ग पर हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में कंट्रोल सेंटर से तुरंत संबंधित सुरक्षाबलों को अलर्ट भेजा जा सकता है।

बेल्जियम एक्सपोजर टूर के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को बेल्जियम के आगामी एक्सपोजर टूर के लिए 22 सदस्यीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा कर दी। यह टूर 5 से 18 जुलाई के बीच खेला जाएगा, जो नव नियुक्त कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में टीम का पहला असाइनमेंट होगा और इस साल के आखिर में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप से पहले तैयारी का एक अहम चरण साबित होगा। इस टूर के दौरान युवा भारतीय टीम यूरोप की मजबूत टीमों का सामना करेगी। भारतीय टीम ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। उम्मीद है कि इस एक्सपोजर टूर से टीम को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का कीमती अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले उन्हें अपने कॉम्बिनेशन और खेलने के तरीके को परखने में मदद मिलेगी। इस टूर के लिए डिफेंडर अनमोल एक्का को भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है। गोलकीपिंग यूनिट में विवेक लाकरा और कुणाल तेवतिया शामिल हैं। डिफेंस लाइन में कप्तान अनमोल एक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत तिर्की और वी. मणिमारन शामिल हैं।
मिडफील्ड की जिम्मेदारी अद्रोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक और रितिक लाकरा संभालेंगे। फॉरवर्ड लाइन में अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन जेस, लव नूर सिंह, कोनैन और गुरुसेवक सिंह शामिल हैं।
अनमोल एक्का, अद्रोहित एक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, जिसने एफआईएच मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 और 8 जुलाई को ऑस्ट्रिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 10 जुलाई को मेजबान बेल्जियम, 13 जुलाई को जर्मनी, 14 जुलाई को फिर से बेल्जियम और 17 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेलकर दौरे का समापन करेगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम:
गोलकीपर: विवेक लाकरा, कुणाल तेवतिया।
डिफेंडर: अनमोल एक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत तिर्की, वी. मणिमारन।
मिडफील्डर: एडरोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकरा।

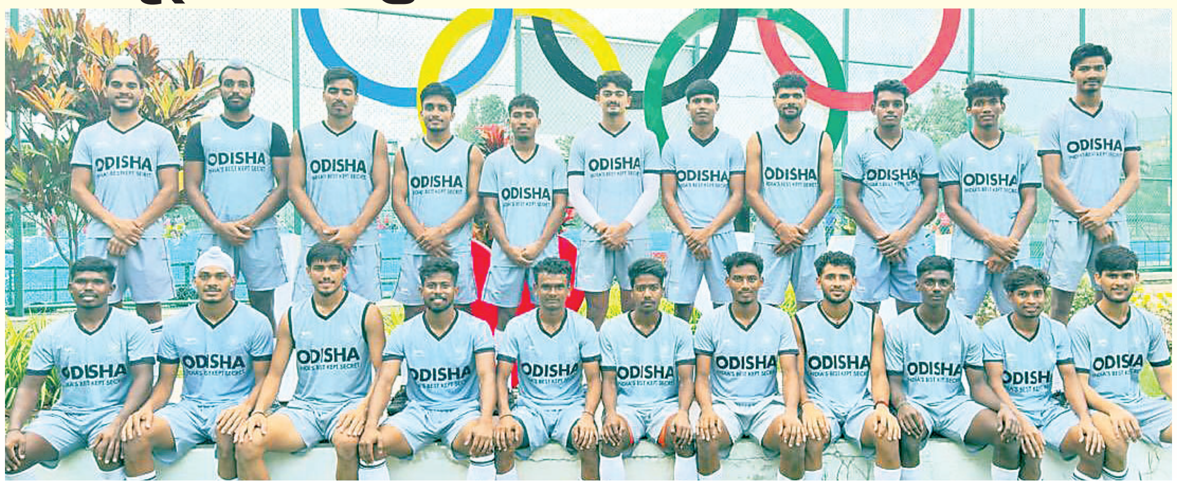

14वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में झारखंड का रहा शानदार प्रदर्शन

9 पदक जीतकर बढ़ाया राज्य का मान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 25 से 28 जून 2026 तक महाराष्ट्र के नासिक स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, संत जनार्दन स्वामी आश्रम में आयोजित 14वीं पेंचक सिलाट सिंगा, मकान, प्री-टीन, प्री-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से राज्य का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
स्वर्ण पदक विजेता: इटाशा कपूर, अनाया खलखो, विशाखा थापा एवं पलक साहू।
रजत पदक विजेता: वायु तिर्की एवं अंजन राणा।
कांस्य पदक विजेता: कृपा राणा, जानवी आलिया एवं रीतिका बारा।
प्रतियोगिता में झारखंड पेंचक सिलाट संघ की सचिव मिस डौली सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई। वहीं सूरज चिक बड़ाइक एवं किरण सिंह ने कोच तथा जादूमीनी हेम्ब्रम ने टीम मैनेजर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस शानदार उपलब्धि पर संघ के अध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, चीफ कोच श्री बिजय कुमार लिम्बु, किशन कुमार, दीपा कुमारी, जेना हेंब्रम, प्रवीण सहित संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करते रहेंगे।

अनिसिमोवा और प्लिस्कोवा की आसान जीत, दूसरे राउंड में जगह बनाई

लंदन। विंबलडन 2026 में मंगलवार को अमांडा अनिसिमोवा और कैरोलिना प्लिस्कोवा ने सीधे सेटों में जीत हासिल करके ऑल इंग्लैंड क्लब में दूसरे राउंड में जगह बनाई। छठी वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा को नॉर्थ मैसेडोनिया की लीना ग्योर्चेस्का को 6-3, 6-2 से हराने में एक घंटे से थोड़ा अधिक समय लगा, जबकि प्लिस्कोवा ने वैलेंटोवा को एक घंटे 15 मिनट में 6-3, 6-4 से हराकर 2022 के बाद अपनी पहली विंबलडन मेन-ड्रॉ जीत हासिल की।

मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराया

अंतिम-16 में जगह बनायी

मॉन्टेरी। मोरक्को ने मंगलवार को यहां मॉन्टेरी स्टेडियम में नीदरलैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जबरदस्त जीत के साथ फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। निश्चित और अतिरिक्त अवधि (120 मिनट) मिलाकर भी इस मैच का फैसला नहीं हो सका। मैच 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी में मोरक्को ने 3-2 से जीत हासिल की। 72वें मिनट में कोडी गैकपो ने गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। क्राइसेंसियो समरविले के गोल के सामने एक शानदार रन और ऑफ-बैलेंस टचबैक ने गैकपो को गोल करने में मदद की। गैकपो अब वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के लिए छह गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह सिर्फ जॉनी रेप से पीछे हैं, जिन्होंने 1974 (चार गोल) और 1978 (तीन गोल) के बीच सात गोल किए थे। मोरक्को ने 91वें मिनट में बराबरी का गोल करके वापसी की। सेंट्रल डिफेंडर इसा डियोप ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में स्थानापन्न चेम्सडाइन टैल्बी के क्रॉस पर हेडर मारकर गोल कर दिया। मॉन्टेरी में 120 मिनट का रोमांचक मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा और रेगुलर या एक्स्ट्रा टाइम में कोई विनर नहीं बन पाया।

ओलिवर कान ने लियोनेल मेसी-रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता की तारीफ

नई दिल्ली। जर्मनी फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान ओलिवर कान का मानना है कि लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक ऐसी फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता बनाई, जो किसी और से अलग थी। दोनों ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को बेहतरीन बनने के लिए लगातार कोशिश करते हुए वो ऊंचाई देखी, जो अब तक कोई नहीं देख पाया।

जी5 पर फीफा विश्व कप 2026 पर बतौर विशेषज्ञ काम कर रहे ओलिवर कान ने कहा, "क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को आगे बढ़ाया है। यह देखना वाकई कमाल का है कि वे किस स्तर का फुटबॉल खेलते रहते हैं। उनकी प्रतिद्वंद्विता प्रदर्शन के आधार पर आयी। हर सीजन में, उन्होंने एक-दूसरे को और भी बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। फुटबॉल में शायद उस स्तर की निरंतरता और प्रतिद्वंदिता फिर कभी न दिखे।"
कान ने कहा, "वर्ल्ड कप 2002 मेरे करियर के सबसे बड़े अनुभवों में से एक है। फाइनल हारना अभी भी दुख देता है क्योंकि, एक एथलीट के तौर पर, आप हमेशा जीतना चाहते हैं, खासकर वर्ल्ड कप। लेकिन समय के साथ, आप उस सफर, टीम भावना और टीम के साथ साझा किए गए अनुभवों की तारीफ करने लगते हैं। एक गोलकीपर के तौर पर गोल्डन बॉल जीतना बहुत बड़ा सम्मान था, जो खास था। मैं इसे फिर भी वर्ल्ड कप ट्रॉफी से बदल दूंगा।"

फुटबॉल के सबसे बड़े स्टेज पर मुकाबला कर रहे गोलकीपरों के लिए अपनी सलाह देते हुए कान ने युवा खिलाड़ियों से दबाव झेलने, सीखते रहने और टूर्नामेंट के हर पल पर फोकस रखने की अपील की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किया गैलेक्सी ए27 5जी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत – जून, 2026 – सैमसंग ने आज अपने नए स्मार्टफोन गैलेक्सी A27 5जी को लॉन्च करने की घोषणा की। यह स्मार्टफोन आधुनिक तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने की सैमसंग की सोच को आगे बढ़ाता है। इसे खासतौर पर उन युवा उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है, जो स्टाइलिश डिज़ाइन, दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट, मजबूत सुरक्षा और सहज यूज़र अनुभव वाला भरोसेमंद स्मार्टफोन किफायती कीमत पर चाहते हैं।

बेहतरीन डिस्प्ले और शानदार विजुअल अनुभव
गैलेक्सी A27 5जी की सबसे बड़ी खूबियों में इसका 6.7-इंच का 120Hz सुपर एमोलेड डिस्प्ले शामिल है। यह डिस्प्ले जीवंत रंगों, बेहतरीन डिटेल और स्मूद विजुअल अनुभव के साथ तेज़ टच रिस्पॉन्स देता है। नए इंफिनिटी-O डिस्प्ले में छोटा-सा पंच-होल कैमरा डिज़ाइन दिया गया है, जिससे वीडियो देखने और गेम खेलने का अनुभव और भी शानदार हो जाता है। साथ ही, स्क्रीन की मजबूती के लिए इस पर कॉर्निंग® गोरिल्ला® ग्लास विक्टस®+ की सुरक्षा दी गई है।
गेमिंग और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए दमदार परफॉर्मेंस गैलेक्सी ए27 5जी में 4एनएम स्नैपड्रैगन® 6 जैन 3 प्रोसेसर दिया गया है, जो शानदार परफॉर्मेंस के साथ बेहतर पावर एफिशिएंसी भी प्रदान करता है। इसके साथ यूएफएस3.1 स्टोरेज और LPDDR5X रैम हर तरह के काम को तेज़ और सहज बनाते हैं। बेहतर जीपीयूकी बदौलत गेमिंग के दौरान ग्राफिक्स पहले से अधिक स्मूद दिखाई देते हैं, जबकि हाई-स्पीड मेमोरी तेज़ डेटा ट्रांसफर और बेहतर ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करती है। मल्टीटास्किंग, वेब ब्राउज़िंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, एआइ ऐप्स का इस्तेमाल या गेमिंग—हर स्थिति में यह स्मार्टफोन तेज़, भरोसेमंद और सहज परफॉर्मेंस देता है।

नो-शेक ट्रिपल कैमरा
गैलेक्सी जी27 5जी में 50एमपी का मेन कैमरा दिया गया है, जो OIS और 4के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ आता है। इसकी मदद से चलते-फिरते भी साफ और बिना हिले हुए वीडियो रिकॉर्ड किए जा सकते हैं। इसके अलावा, इसमें 115 फील्ड ऑफ व्यू वाला 5एमपी अल्ट्रावाइड कैमरा और 2MP मैक्रो कैमरा मिलता है, जिससे 6x4-इंच आकार में 300डीपीआइ क्वालिटी वाली बेहतरीन क्लोज़-अप तस्वीरें ली जा सकती हैं। फोन का 12एमपी एचडीआर फ्रंट कैमरा शानदार पोर्ट्रेट और उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो कॉलिंग का अनुभव देता है।

दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी से होगा वाहन मलिकों को लाभ

नई दिल्ली। नई नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर वित्तीय प्रोत्साहन, पात्र वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूरी छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार और विभिन्न श्रेणी के वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बनाने की योजना शामिल है।
सरकार ने पॉलिसी की अवधि के दौरान ईवी इकोसिस्टम के विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपए के निवेश का भी प्रस्ताव रखा है।
रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बैटरी निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली वितरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, सॉफ्टवेयर समाधान, फ्लीट मैनेजमेंट, फाइनेंसिंग, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे कई क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0, जो वर्ष 2030 तक लागू रहेगी, में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े प्रोत्साहन और सख्त प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके तहत 30 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक की कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।
इसके अलावा, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपए तक, तीनपहिया वाहनों पर 50,000 रुपए तक और पुराने बीएस-IV या उससे पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा।
इस नीति के अनुसार, 31 मार्च 2028 के बाद दिल्ली में नए पेट्रोल से चलने वाले मोटरसाइकिल और स्कूटर का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। वहीं, 2026 के अंत के बाद नए सीएनजी ऑटो-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन भी बंद कर दिया जाएगा।

भारत का राजकोषीय घाटा अप्रैल-मई में पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत रहा: केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-मई में 1.624 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत है। यह जानकारी कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स (सीजीए) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।
सरकार ने पूरे वित्त वर्ष 27 के लिए 16.96 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पता चलता है कि शुरुआती दो महीनों के आंकड़े देश की मजबूत वित्तीय स्थिति को दिखाते हैं और देश 2026-27 के बजट में तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। वित्त वर्ष 26 की इसी अवधि में राजकोषीय घाटा 13,163 करोड़ रुपए था, जो पूरे साल के लक्ष्य का 0.8 प्रतिशत है। भारत ने मई में 2 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया,

जबकि पिछले वर्ष मई में यह अधिशेष 1.73 लाख करोड़ रुपए था। अप्रैल में सरकार की कुल प्राप्तियां 2.13 लाख करोड़ रुपए रहीं और इस दौरान 5.75 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के पहले महीने में लगभग 3.62 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा हुआ। गैर-कर राजस्व मई में 3.27 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 2.90 लाख करोड़ रुपए था। मई के ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2026 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए के अधिशेष हस्तांतरण को मंजूरी देने के बाद आए हैं।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 249 अंक फिसला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 249.70 अंक या 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,478.67 और निफ्टी 80.50 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,865.75 पर था। एकतरफ लार्जकैप में बिकवाली देखी गई। वहीं, दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 230.40 अंक या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 190 अंक या 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,863.10 पर था। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.37 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 1.31 प्रतिशत के साथ टॉप गेनर थे। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर हरे निशान में बंद हुआ।

डालटनगंज समेत आसपास के क्षेत्रों में ब्लैकआउट, तकनीकी खराबी से बिजली आपूर्ति बाधित

मेदिनीनगर। डालटनगंज समेत आसपास के कई क्षेत्रों में मंगलवार को अचानक बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार 33 केवीए लाइन का गिरा हुआ तार मरम्मत कर ठीक कर दिया गया है, लेकिन इसके बाद पावर सब स्टेशन में वीटी (वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर) और लाइटनिंग अरेस्टर जल जाने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। तकनीकी खराबी के चलते डालटनगंज एवं आसपास के इलाकों में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। विद्युत विभाग के अभियंता और कर्मी खराबी दूर करने में जुटे हुए हैं। विभाग का कहना है कि आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा होते ही चरणबद्ध तरीके से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। बिजली बाधित रहने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि तकनीकी समस्या का शीघ्र समाधान कर आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

गहन विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू

डीसी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

- घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, 29 जुलाई तक चलेगा एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं संग्रह अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पलामू जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत मंगलवार से एन्यूमरेशन चरण की शुरुआत हो गई। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और संग्रहण करेंगे।

अभियान के पहले दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पलामू क्लब, मदरसा अलहेदाया कुंड मोहल्ला तथा मेदिनीनगर नगर निगम के पुराने भवन स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चुनाव पाठशालाओं में शामिल होकर मतदाताओं, बीएलओ, बीएलए-2 और अन्य संबंधित कर्मियों से संवाद भी किया। चुनाव पाठशालाओं में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन एवं मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संचालित की जा रही है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग दें तथा एन्यूमरेशन फॉर्म सही तरीके से भरकर निर्धारित समय के भीतर जमा करें, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और अधिक सटीक बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दृष्टिपात

पिछले 24 घंटे में 68.8 मिमी बारिश दर्ज तापमान में गिरावट से मौसम हुआ सुहाना

मेदिनीनगर। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान 68.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता 78 प्रतिशत जबकि शाम को बढ़कर 98 प्रतिशत दर्ज की गई। लगातार बारिश और वातावरण में नमी बढ़ने से मौसम पूरी तरह बदल गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में भी बादल छाए रहने तथा रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

70वीं बीपीएससी में सफलता पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के पूर्व छात्र अश्विनी भारती सम्मानित

मेदिनीनगर। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मेदिनीनगर में मंगलवार को विद्यालय के पूर्व छात्र अश्विनी भारती (2015 बैच) के 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार ने उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव राजीव रंजन सिंह, प्राचार्य चितरंजन कुमार सिंह, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने अश्विनी भारती की सफलता को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य चितरंजन कुमार सिंह ने कहा कि अश्विनी भारती की सफलता यह सिद्ध करती है कि बचपन से मिले संस्कार, अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सतत परिश्रम किसी भी लक्ष्य को हासिल करने की मजबूत नींव बनते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय को विश्वास है कि अश्विनी भविष्य में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में भी सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम और ऊंचा करेंगे। सम्मान ग्रहण करने के बाद अश्विनी भारती ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय से मिले संस्कारों को दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर मेहनत को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक परंपराओं और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का कार्य कर रहा है। विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियां वर्तमान छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए : विनोद पांडे

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से मंगलवार को शहर के चंद्रा रेजिडेंस में बूथ स्तरीय सम्मेलन सह बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के महासचिव विनोद पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।अपने संबोधन में विनोद पाण्डेय ने कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलए-2 सदस्य की जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज हो। उन्होंने कहा कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम कटने न पाए और यदि कोई त्रुटि हो तो उसका समय रहते सुधार कराया जाए। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर कार्य करने वाला संगठन रहा है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ-साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना भी पार्टी की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण शिविर में विनोद पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के संशोधन, आवश्यक प्रपत्रों को भरने तथा संगठनात्मक दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

जलजमाव वाले क्षेत्रों का महापौर ने किया निरीक्षण स्थायी समाधान के लिए जनसहयोग की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर महापौर अरुणा शंकर ने मंगलवार को विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके लिए स्थानीय लोगों का सहयोग भी जरूरी है। महापौर ने कहा कि इस वर्ष मानसून से पहले कराई गई नालों की सफाई का सकारात्मक असर पहली बारिश में देखने को मिला है। पहले की तुलना में जलजमाव की समस्या कम हुई है, फिर भी कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिसके स्थायी समाधान के लिए नाला निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां नाला निर्माण प्रस्तावित है, वहां मोहल्लावासियों को रास्ता उपलब्ध कराना होगा। यदि लोग सहयोग नहीं करेंगे तो जलभराव की समस्या बनी रहेगी और इससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने नालों पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटाने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं होने पर निगम प्रशासन कार्रवाई करेगा।

महापौर ने निगम कर्मियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में नालों की सफाई की जा रही है, वहां नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और फॉगिंग कराई जाए, ताकि मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर संबंधित वार्ड पार्षदों के साथ बैठक कर जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है तो निगम प्रशासन आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान सुनिश्चित करेगा।

निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 9 के पार्षद सोनू कुमार, रोशन एवं रोशन टाइगर, वार्ड संख्या 27 की पार्षद कमर यासमीन, रवि पासवान, बादल तथा वार्ड संख्या 34 में विजय प्रमुख और चंदू गुप्ता सहित अन्य स्थानीय लोगों ने महापौर को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

महापौर ने कहा कि निगम और आम जनता के संयुक्त प्रयास से ही शहर को जलजमाव, गंदगी और संक्रामक बीमारियों से मुक्त बनाया जा सकता है।

पोखराहा क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण की मांग तेज, पांकी विधायक ने केंद्रीय मंत्री को भेजा ज्ञापन

- जानलेवा दुर्घटनाओं पर जताई चिंता, टोल वसूली रोकने व शराब दुकान हटाने की भी उठाई मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर । डाल्टनगंज के पोखराहा स्थित एनएच-75 और डीएलपी पथ के खतरनाक क्रॉसिंग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर मंगलवार को स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने की।

धरना के दौरान विधायक डॉ. मेहता ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपते हुए पोखराहा क्रॉसिंग को 'ब्लैक स्पॉट' बताते हुए यहां शीघ्र रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इस चौराहे से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन, स्कूली बच्चे और आम नागरिक गुजरते हैं। तेज रफ्तार और भारी यातायात के कारण यहां लगातार भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

ज्ञापन में विधायक ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, पोखराहा स्थित एनएच-75 और डीएलपी पथ के क्रॉसिंग पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल आरओबी निर्माण की स्वीकृति देकर कार्य शुरू कराया जाए। दूसरी, जोड़ चौक (एनएच-75 एवं डाल्टनगंज-पाटन मार्ग) पर भी आरओबी निर्माण कराया जाए। तीसरी, जब तक सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हो जाता, तब तक जोरकट स्थित टोल प्लाजा पर टोल वसूली पर रोक लगाई जाए। धरना को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता वर्षों से इस समस्या से जूझ रही है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार और संबंधित विभाग इस गंभीर जनसमस्या का स्थायी समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि पोखराहा क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को भी वहां से हटाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे सड़क सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि यदि जनहित की इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। मौके पर जिला प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता, सांसद प्रतिनिधि ललित मेहता, विधायक के निजी सचिव सरोज चटर्जी, प्रमुख सुनील कुमार पासवान, प्रो. बच्चन ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, मनातू मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव, सतबरवा विधायक प्रतिनिधि महेश यादव, समाजसेवी कमेश यादव, निर्मल मेहता, सोनू सिकंदर, रामराज सिंह, राजदेव मेहता, अजय पासवान, दिलीप चौधरी, आशीष सिन्हा, चंचल यादव, अनुज चंद्रवंशी, पिंटू यादव, अमारिक भुइयां, रंजय भुइंया, उमेश यादव, प्रसिद्ध सिंह, रामचंद्र भुइयां, धर्मेंद्र मेहता, पचु भुइंया, शंभू मेहता, अनिल मेहता, सतबरवा मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एसपी ने मकईया टांड़ पिकेट का किया औचक निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने मंगलवार को थाना क्षेत्र स्थित मकईया टांड़ पुलिस पिकेट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, पिकेट परिसर एवं जवानों की तैनाती की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसपी ने सुरक्षा घेरे को और अधिक मजबूत करने, आसपास के क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने तथा संतरी ड्यूटी को 24×7 पूरी मुस्तैदी के साथ निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने पिकेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए। एसपी ने जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

टंडवा पहुंचे सांसद व विधायक, बीमा योजना के लाभुक परिवार को सौंपा चेक

टंडवा (चतरा)। चतरा सांसद कालीचरण सिंह एवं सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास मंगलवार को टंडवा प्रखंड के सेरनदाग पहुंचे। वज्रपात की चपेट में आकर जान गंवाने वाली मधवापुर निवासी बिलासो देवी के आश्रितों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत कुल चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया।

बीडीओ व प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर ने चुनाव पाठशाला का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद एवं प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर शुभम गांगुली ने बीएलओ, बीएलए-2 तथा चुनाव पाठशाला की प्रथम बैठक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ संख्या 311, 312, 313, 315, 316, 317, 318 एवं 328 का भ्रमण कर पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बीएलओ एवं बीएलए-2 को नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं की मैपिंग में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र युवाओं का नाम समयबद्ध तरीके से मतदाता सूची में दर्ज कराया जाए। ुनाव पाठशाला में उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं से भी अपने परिवार, मित्रों और आसपास के पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करने की अपील की गई।

पेज एक के शेष

क्रांति की आग...

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न स्मारकों पर शहीदों की स्मृति में अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। दिल्ली के राजघाट और इंडिया गेट पर जलने वाली ज्योति इसी अमर बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वीरों की इस पावन भूमि का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

एसआईआर पूरी तरह...

साथ ही, सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने बताया कि इन्यूमरेशन फेज के शुभारंभ के अवसर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। दो दिवसीय सोशल मीडिया अभियान के पहले दिन मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के माध्यम से राज्यभर में मतदाताओं और भावी मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित पोस्टर एवं वीडियो दिखाकर जानकारी दी गई। दूसरे दिन सभी जिलों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, मीडिया संस्थानों और डिजिटल क्रिएटर्स ने 'हैशटैग झारखंड एसआइआर' के माध्यम से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को उसमें आवश्यक विवरण सत्यापित कर शेष जानकारी भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो मतदाता राज्य से बाहर रह रहे हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं। यदि कोई मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं है, तो उसके पात्र परिजन भी उसकी ओर से फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं। के रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं के विवरण का सत्यापन दो स्तरों पर किया जाएगा। पहले चरण में बीएलओ सुपरवाइजर और दूसरे चरण में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) इसकी जांच करेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है और गैर-भारतीय नागरिकों को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। जो भी पात्र भारतीय नागरिक निर्धारित अवधि में इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उनका नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि किसी मतदाता की पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मैपिंग नहीं हो सकी है, तो वह बीएलओ को आवश्यक जानकारी देकर अपनी मैपिंग सुनिश्चित करा सकता है। जन्मतिथि के आधार पर स्वयं अथवा माता-पिता में से किसी एक या दोनों के विवरण साझा कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

हाईकोर्ट का जेएसएससी...

अधिवक्ता शुभम मिश्रा ने पक्ष रखा। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखा। सरकार ने संशोधन पिटीशन दायर कर कहा है कि हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपने मूल आदेश में संशोधन किया है। यह संशोधन तब हुआ है, जब हाईकोर्ट में अपील पर सुनवाई लंबित है। एकल पीठ की ओर से अपने आदेश में संशोधन करते हुए फैक्ट फाइंडिंग कमीशन का नया चेयरमैन जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को बनाया गया है। अब फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने मामले की सुनवाई शुरू कर दी है। हाईकोर्ट के ग्रीष्मावकाश में भी फैक्ट फाइंडिंग कमिशन ने सुनवाई की। जब इससे संबंधित अपील की सुनवाई खंडपीठ में चल रही है, ऐसे में समानांतर रूप से सुनवाई नहीं की जा सकती है। इसलिए एकल पीठ की ओर से पारित आदेश पर रोक लगाई जाए। ज्ञात हो कि डोरंडा स्थित पुराने उच्च न्यायालय बिल्डिंग में वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के अध्यक्ष जस्टिस गौतम कुमार चौधरी के कोर्ट में शिक्षक नियुक्ति से जुड़े (स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016) मामले की सुनवाई चल रही है।

गिरिडीह के सब...

हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन ने कहा कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल ने अपने गांव में ही मई महीने में 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने महेश प्रसाद से रजिस्ट्री कराई थी। उस जमीन पर वह अपना घर बनाने के लिए बोरिंग करवा रहे थे। मंगलवार की सुबह जब वे उस जमीन पर गए थे, उसी दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ। इधर, होप हॉस्पिटल में घटना की सूचना पर पहुंचे मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने झारखंड सरकार पर सीधा हमला किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। यहां जब अधिकारी ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का हाल क्या होगा। इस मामले के सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

पत्नी ने दर्ज...

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने डंडों और ईंटों से बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रीता कुमारी ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे घटनाक्रम की साजिश में हुवाग गांव के हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव भी शामिल थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना गांव की रहने वाली बबीता देवी की मौजूदगी में हुई। शिकायत के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी वहां मौजूद लोगों को धमकी देते हुए मौके से अपने-अपने घरों की ओर फरार हो गए।

राष्ट्र निर्माण में...

एकल अभियान द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा कार्य तथा भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। साथ ही, झारखंड में उपलब्ध प्रचुर खनिज संपदा के बेहतर दोहन के लिए आधुनिक तकनीक, निवेश और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान झारखंड चैंबर की कार्यशैली की सराहना करते हुए उद्यमियों ने संगठन की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में अपने सुझाव दिए। उन्होंने चैंबर के दावोस दौरे के अनुभवों की भी जानकारी ली। बैठक में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष राम बांगड़, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, अमित शर्मा, अनीश बुधिया, पूर्व अध्यक्ष रंजीत गाड़ोदिया, दीपक कुमार मारु, धीरज तनेजा, सदस्य पूनम आनंद एवं एकल अभियान के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

क्रिटिकल मिनरल्स में...

उन्होंने कहा कि राज्य में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के प्रख्यात उद्यमियों की उपस्थिति में आज की बैठक में चैंबर की भविष्य की भूमिका, उद्यमियों की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी तथा झारखंड को औद्योगिक रूप से अधिक विकसित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे संवाद से राज्य में उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी और उद्योगों के विकास को गति प्राप्त होगी।

झारखंड में चार...

इस दौरान पूरे राज्य में गर्जन के साथ वज्रपात होने की आशंका को देखते हुए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है। विभाग ने किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों में रहने और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक 64.5 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में दर्ज की गई। मंगलवार को राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर बाद हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 36.4 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां जारी रहने का अनुमान जताया है। विभाग ने लोगों से मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

जुलाई में देशभर में सामान्य से कम बारिश की संभावना : आईएमडी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को जुलाई के लिए मासिक वर्षा और तापमान का पूर्वानुमान जारी किया। पूर्वानुमान के अनुसार, जुलाई महीने में पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से कम (दीर्घकालिक औसत का 94 प्रतिशत से कम) रहने की संभावना है। वर्ष 1971–2020 के आंकड़ों के आधार पर जुलाई महीने में देशभर की औसत वर्षा (एलपीए) 280.4 मिमी है। आईएमडी के अनुसार, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। हालांकि, उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों, पूर्व-मध्य भारत तथा पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्र में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है। महानिदेशक डॉ मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि जुलाई के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। केवल पश्चिम-मध्य भारत के कुछ सीमित क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य या उससे कम रह सकता है। इसी तरह, न्यूनतम तापमान भी देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। हालांकि, मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है।

पाकिस्तान की भारत को धमकी, कहा

पानी रोका तो हाथ काट देंगे

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है।

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे-भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाकिस्तान के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया।

केंद्रीय सचिवों के साथ पीएम मोदी की उच्च स्तरीय बैठक शुरू, समग्र सुधार पर जोर

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'सेवा तीर्थ' में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक में सुधार एजेंडे पर व्यापक चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया गया, क्योंकि सरकार अगली पीढ़ी के प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', डिजिटल गवर्नेंस, नियमों में ढील और 'लास्ट-माइल डिलीवरी' (सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने) जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाएगा। कैबिनेट सचिव के अलावा, इस बैठक में प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव, पी.के. मिश्रा और शक्तिकांत दास एवं सभी प्रमुख विभागों के सचिव भी शामिल हैं।

मौजूदा वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री के साथ सचिव-स्तर की यह पहली बड़ी बैठकों में से एक है। इसे 2026 की दूसरी छमाही के लिए सरकार की मुख्य नीतिगत प्राथमिकताओं के साथ नौकरशाही को एक सीध में लाने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कार्य बल ने 30 संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का लिया जायजा

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की रोकथाम को लेकर गठित राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) ने मई 2025 से अब तक देश के 10 राज्यों के 30 उच्च शिक्षा संस्थानों का दौरा किया है। इस दौरान कार्य बल ने छात्रों, शिक्षकों, संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा कर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को समझने का प्रयास किया। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय कार्य बल ने एक अंतर-अनुशासनात्मक और समानता आधारित दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से अब तक 25 परामर्श बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों, मानसिक दबाव, भेदभाव और सहायता व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। एनटीएफ ने जनवरी 2026 से अब तक कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष परामर्श भी किए हैं। इनमें शारीरिक अक्षमता वाले छात्रों और संकाय सदस्यों की समस्याएं, उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव, लिंग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की चुनौतियां शामिल हैं।